मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 24
गुरुवार, 31 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

कश्मीर से आतंकवाद खत्म होकर रहेगाः अमित शाह

नई दिल्ली, 30 जुलाई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हुए चर्चा का जवाब दिया। हालांकि, विपक्षी सांसदों ने प्रधानमंत्री से जवाब की मांग की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जैसे ही ऑपरेशन सिंदूर पर चल रही बहस पर अपना जवाब देना शुरू किया, विपक्ष ने राज्यसभा में जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्ष के पीएम को बुलाओ के नारे लगाने पर गृह मंत्री अमित शाह ने पूछा कि प्रधानमंत्री को बुलाने की क्या जरूरत है, उन्होंने लोकसभा में जवाब दिया था। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान अमित शाह के भाषण के दौरान अपनी ओर से भारी नारेबाजी के बीच खड़े हो गए और कहा कि वे लंबे समय से मांग कर रहे थे कि पीएम मोदी सदन में आएं और सभी सवालों का जवाब दें।

विपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री से जवाब की मांग किए जाने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सदन को सूचित किया था कि प्रधानमंत्री अपने कार्यालय में मौजूद हैं। बाद में विपक्ष ने विरोध स्वरूप सदन से बहिर्गमन किया। अमित शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव, आतंकवादियों को कड़ी टक्कर देने के लिए एक साथ आए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकवाद के प्रायोजकों और आतंकवादियों, दोनों का सफाया कर दिया गया।

गृह मंत्री अमित शाह ने पुष्टि की है कि पहलगाम हमला पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा द्वारा किया गया था। उन्होंने राज्यसभा में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनके मुख्यालय पर हमला करने का फैसला लिया और हम इसमें सफल रहे। हमने ट्रिगर दबाने वालों और आदेश देने वालों, दोनों को मार गिराया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव मिलकर दुनिया में कहीं भी आतंकवाद के खिलाफ सबसे कठोर प्रतिक्रिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद से लड़ने का भारत का संकल्प बेजोड़ है।

गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा को बताया कि ऑपरेशन महादेव के तहत तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया। शाह ने कहा कि पहलगाम हमले की ज़िम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। उन्होंने राज्यसभा में कहा कि मैंने खुद जम्मू-कश्मीर का दौरा किया था। हमने न सिर्फ. आतंकवादियों को पकड़ने का, बल्कि उन्हें पाकिस्तान भागने से रोकने का भी संकल्प लिया था–और हम दोनों मोर्चों पर कामयाब रहे। शाह ने संसद को बताया कि फोरेंसिक मिलान से पुष्टि हुई है कि मारे गए आतंकवादियों से बरामद राइफलें वही थीं जिनका इस्तेमाल पहलगाम हत्याकांड में किया गया था।

उन्होंने कहा कि अब कोई बहस या संदेह नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि 155 लोगों से पूछताछ की गई और आश्रय प्रदाताओं की भी पहचान कर उनकी जाँच की गई।

अमित शाह ने राज्यसभा में विपक्ष पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या वे आतंकवादियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने पूछा, आप किसे बचाना चाहते थे - लश्कर-ए-तैयबा को? और आगे कहा कि ऑपरेशन महादेव ने उसी दिन हमलावरों को मार गिराया जिस दिन सवाल उठाए गए थे। उन्होंने कहा, चिदंबरम के बयान ने कांग्रेस को दुनिया के सामने बेनकाब कर दिया है। शाह ने कहा कि हर हर महादेव सिर्फ. एक धार्मिक नारा नहीं था, बल्कि शिवाजी महाराज और उनकी सेनाओं द्वारा इस्तेमाल किए गए शस्त्रों का आह्वान था। उन्होंने राज्यसभा में अपने भाषण के दौरान कहा, यह भारत की शक्ति, संकल्प और क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है। ऑपरेशन महादेव में हुई हत्याओं के समय पर सवाल उठाने वाले आलोचकों पर अमित शाह ने जमकर निशाना साधा। उन्होंने राज्यसभा में कहा, आप मुहूर्त पूछ रहे हैं?

छत्तीसगढ़ में गिरफ्तार केरल की ननों को जमानत देने से इनकार

छत्तीसगढ़, 30 जुलाई। कथित धर्मांतरण के सिलसिले में छत्तीसगढ़ में गिरफ्तार केरल की दो ननों की जमानत याचिकाएँ निचली अदालत और सत्र न्यायालय, दोनों ने खारिज कर दी हैं। सत्र न्यायालय की अध्यक्षता कर रहे न्यायाधीश अनीश दुबे (एफटीएससी) ने फैसला सुनाया कि मानव तस्करी के आरोपों के कारण यह मामला उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है, जिसके कारण यह राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) अदालत के दायरे में आता है। अब इस मामले की सुनवाई बिलासपुर स्थित एनआईए कोर्ट में होगी। तब तक, नन न्यायिक हिरासत में रहेंगी। शिकायतकर्ता के वकील राजकुमार तिवारी द्वारा इस अदालत में एक नई याचिका दायर करने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भाजपा और उसके वैचारिक सहयोगियों पर ईसाई समुदाय को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने इस गिरफ्तारी को बजरंग दल कार्यकताओं द्वारा दर्ज कराई गई झूठी शिकायत के आधार पर जानबूझकर की गई उत्पीड़न की कार्रवाई बताया। विजयन ने कहा कि यह घटना संघ परिवार के असली चरित्र को उजागर करती है।

वही लोग जो ईसाइयों के घरों में केक और मुस्कुराहट लेकर घुस जाते हैं, अब ननों का शिकार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई धार्मिक स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने और विभाजनकारी राजनीति को बढ़ावा देने के एक व्यापक अभियान का हिस्सा है, जो भारत के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को कमजोर कर रहा है।

धर्मांतरण पर देशभर में लगे प्रतिबंध, विहिप ने केंद्र से मांगा कड़ा कानून

नई दिल्ली, 30 जुलाई। तस्करी और धर्मांतरण के आरोप में केरल की दो ननों की छत्तीसगढ़ में गिरफ़्तारी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विश्व हिंदू परिषद के महासचिव सुरेंद्र जैन ने बुधवार को केंद्र सरकार से धर्मांतरण पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक कानून लाने का आग्रह किया। एएनआई से बात करते हुए, जैन ने आरोप लगाया कि चर्च पर मानव तस्करी के आरोप लगाए गए हैं और अवैध धर्मांतरण को रोका जाना चाहिए। जैन ने एएनआई को बताया कि यह पहली बार नहीं है जब ये आरोप लगाए गए हैं... चर्च पर मानव तस्करी जैसे आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उनका समर्थन नहीं किया जाना चाहिए। सेवा की आड़ में वे जो अवैध धंधा चला रहे हैं, उसे रोका जाना चाहिए... हम केंद्र सरकार से अपील करते हैं कि यह कानून (धर्मांतरण विरोधी कानून) कुछ राज्यों में लागू है, लेकिन इसका नेटवर्क व्यापक और देशव्यापी है। इसलिए, धर्मांतरण पर प्रतिबंध लगाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी कानून लाया जाना चाहिए।

उन्होंने आगे दावा किया कि गिरफ़्तारी के बाद एक हिंदू-विरोधी माहौल सक्रिय हो गया और उन्होंने इसका विरोध करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। यह पाया गया कि वे मानव तस्करी और अवैध धर्मांतरण के अवैध धंधे में शामिल थीं। जैसे ही ननों की गिरफ़्तारी हुई और जाँच शुरू हुई, हिंदू-विरोधी माहौल तुरंत सक्रिय हो गया। हिंदू-विरोधी माहौल सक्रिय हो गया और राहुल गांधी भी तुरंत सक्रिय हो गए... अगर यहाँ कुछ गड़बड़ है, तो कांग्रेस को विरोध नहीं करना चाहिए, लेकिन अगर वे विरोध करते रहेंगे, तो इसका मतलब जरूर है कि कुछ गड़बड़ है।

अवैध निमार्णों पर प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई, सीलिंग और ध्वस्तीकरण अभियान तेज

- वीडीए की चेतावनी : बिना मानचित्र स्वीकृति निर्माण करने वालों को नहीं छोड़ा जाएगा
- अवैध निर्माणों पर प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई

सुरेश गांधी

वाराणसी। शहर में अनियंत्रित हो रहे अवैध निमार्णों पर लगाम कसने के लि वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने बुधवार को एक साथ तीन अलग-अलग जोनों में अवैध निमार्णों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की। वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग के निर्देश पर शिवपुर, रामनगर और मोहनसराय क्षेत्रों में बिना मानचित्र स्वीकृति के किए जा रहे निर्माण कार्यों को चिन्हित कर या तो सील कर दिया गया या आंशिक रूप से ध्वस्त कर दिया गया।

वीडीए की इस एकदिनी त्रिस्तरीय कार्रवाई ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि प्राधिकरण अब अवैध निमार्णों को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं करेगा। इससे न केवल शहरी नियोजन व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि अवैध निमार्णों से जुड़े सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं के संकट भी रोके जा सकेंगे। जोन-1 के अंतर्गत वार्ड-शिवपुर स्थित गिलट बाजार पेट्रोल पंप के पूर्व, कैलाश सोनकर व पप्पू सोनकर पुत्र नत्थू सोनकर द्वारा लगभग 167 वर्गमीटर में बिना स्वीकृत मानचित्र के किए जा रहे बीजी तल के निर्माण को मंगलवार को सील कर दिया गया। यह कार्यवाही नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 के अंतर्गत की गई। मौके पर जोनल अधिकारी शिवजी मिश्रा, अवर अभियंता रोहित कुमार, प्रवर्तन दल, सुपरवाइजर और पुलिस बल मौजूद रहा।

इसी तरह जोन-5 के अंतर्गत मौजा भीटीं स्थित शिव बिहार कॉलोनी में कृष्ण सिंह पुत्र मुरली सिंह द्वारा लगभग 50 बाई 60 वर्गफुट क्षेत्र में बनाए गए दो मंजिला (जी$1) भवन को बिना स्वीकृति के निर्माण किए जाने के कारण सील किया गया। कार्रवाई उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की धारा-27(1) के अंतर्गत की गई। भवन को पुलिस अभिरक्षा में सौंपा गया। जोनल अधिकारी प्रकाश कुमार, अवर अभियंता राजू कुमार सहित टीम मौके पर मौजूद रही। जोन-3 में वार्ड-दशाश्वमेध के अंतर्गत मोहनसराय क्षेत्र में गीता देवी द्वारा बनाए गए जी$4 मंजिला भवन के चौथे तल को को ध्वस्त कर दिया गया। क्षेत्र में जी$3 से अधिक मंजिलों की अनुमति नहीं है। अब भवन स्वामी द्वारा नियमानुसार जी$3 मानचित्र की स्वीकृति प्राप्त की जा सकेगी। इस दौरान जोनल अधिकारी सौरव देव प्रजापति, अवर अभियंता रविन्द्र प्रकाश, प्रवर्तन दल, सुपरवाइजर व पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई की गई। वीडीए के उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग ने आम जनता से अपील की है कि कोई भी निर्माण कार्य प्रारंभ करने से पहले वैध मानचित्र की स्वीकृति अवश्य लें।

निर्माण कार्यों से फैल रहे वायु प्रदूषण पर सख्ती, 103 प्रकरणों का हुआ निस्तारण

- वाराणसी विकास प्राधिकरण की बैठक में लिया गया निर्णय, ग्रीन नेट लगाना अब अनिवार्य

वाराणसी। शहर की वायु गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में वाराणसी विकास प्राधिकरण (वीडीए) ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में नगर क्षेत्र में हो रहे नवनिर्माण कार्यों से फैल रहे वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए विशेष रणनीति बनाई गई।

बैठक में बताया गया कि स्मार्ट सिटी ऐप (311) और नगर निगम द्वारा अब तक 426 निर्माण प्रकरण चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से 103 प्रकरणों का त्वरित निस्तारण कर लिया गया है। शेष मामलों की जांच जारी है और संबंधित निर्माण स्थलों पर नियमित निरीक्षण किए जा रहे हैं।

वाराणसी जैसे धार्मिक और ऐतिहासिक शहर में वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए इस तरह की पहलें न केवल स्वच्छता अभियान को गति देती हैं, बल्कि स्मार्ट सिटी मिशन के पर्यावरणीय लक्ष्यों की दिशा में भी ठोस कदम साबित होती हैं। प्रशासन की यह पहल निश्चित रूप से जनस्वास्थ्य और नागरिक जीवन की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में कारगर सिद्ध होगी।

उपाध्यक्ष गर्ग ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निमार्णाधीन भवनों पर ग्रीन नेट लगाना अनिवार्य किया जाए, ताकि उड़ती धूल और कण (ढट 2.5 और ढट 10) को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाने की दिशा में अत्यंत आवश्यक है।

बैठक में सचिव डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा, अपर सचिव गुणाकेश शर्मा, नगर नियोजक प्रभात कुमार और सभी जोनल अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में निर्माण कार्यों की सघन निगरानी करें और निर्माण मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें। प्राधिकरण ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे निर्माण कार्यों में प्रदूषण नियंत्रण मानकों का पालन करें और किसी भी तरह की लापरवाही या उल्लंघन की जानकारी स्मार्ट सिटी 311 ऐप या नगर निगम के माध्यम से साझा करें।

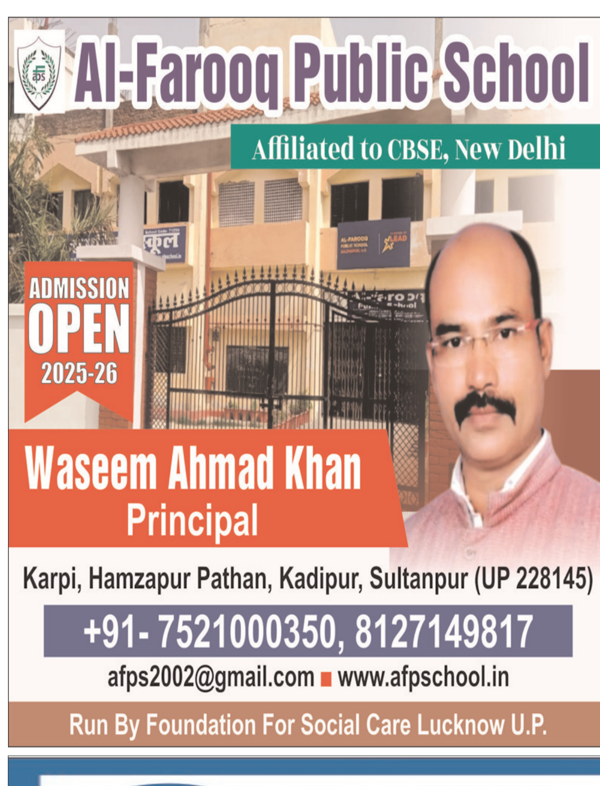

अमेरिका ने भारत पर लगाया 25% टैरिफ, कांग्रेस ने पूछा- नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी से क्या मिला?

नई दिल्ली, 30 जुलाई। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 1 अगस्त से भारतीय वस्तुओं पर 25% टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा प्रहार किया। रमेश ने दोनों नेताओं के बीच की गर्मजोशी का मजाक उड़ाते हुए हाउडी मोदी कार्यक्रम और अन्य सौहार्दपूर्ण पलों का हवाला देते हुए कहा कि उनके और हाउडी मोदी के बीच की सारी प्रशंसा का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने ट्रंप द्वारा ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के बार-बार किए गए दावों की ओर इशारा किया। यह एक हाई-प्रोफाइल अमेरिका-पाकिस्तान लंच था जिसमें पहलगाम आतंकी हमलों के तुरंत बाद पाकिस्तानी सेना प्रमुख भी शामिल हुए थे। इसके अलावा, उन्होंने पाकिस्तान को आईएमएफ और विश्व बैंक के वित्तीय पैकेजों के लिए वाशिंगटन के निरंतर समर्थन का भी हवाला दिया। रमेश ने कहा कि इन घटनाक्रमों के बावजूद, मोदी ने चुप्पी साधे रखी - ऐसे कूटनीतिक पुरस्कारों की उम्मीद की जो कभी नहीं मिले। जयराम रमेश ने कहा कि श्री मोदी ने सोचा था कि यदि वे अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत पर किए गए अपमानों पर चुप रहेंगे - ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के 30 दावे, पाकिस्तान के सेना प्रमुख के लिए विशेष भोज, जिनकी भड़काऊ टिप्पणियों ने क्रूर पहलगाम आतंकवादी हमलों की तत्काल पृष्ठभूमि प्रदान की, और आईएमएफ और विश्व बैंक से पाकिस्तान को वित्तीय पैकेजों के लिए अमेरिकी समर्थन तो भारत को राष्ट्रपति ट्रम्प के हाथों विशेष उपचार मिलेगा। स्पष्ट रूप से ऐसा नहीं हुआ है।

अमेरिका ने भारत पर टैरिफ लगाया है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

एआई का विस्तार या नौकरी का संकुचन: बड़ी चुनौती

-ललित गर्ग

भारत जैसे युवाओं वाले और उभरती अर्थव्यवस्था वाले देश में तकनीकी विकास के प्रति उत्साह हमेशा गहरा रहा है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप क्रांति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी तकनीकें समाज, राष्ट्र और अर्थव्यवस्था में तीव्र बदलाव की सारथि बनी हैं। हर वर्ग और क्षेत्र ने इस परिवर्तन को आशा एवं सकारात्मकता के साथ अपनाया है, इस उम्मीद में कि तकनीकी तरक्की के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। लेकिन हाल ही में आईटी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) द्वारा 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा ने इस उम्मीद पर पानी फेर दिया और इसे बड़ा झटका दिया है। निस्संदेह, छंटनी का यह फैसला आईटी क्षेत्र में आसन्न संकट की आहट को ही दशार्ता है। छंटनी बाबत टीसीएस की दलील है कि इन नौकरियों में कटौती कौशल की कमी और अपने विकसित होते व्यावसायिक मॉडल में कुछ कर्मचारियों को फिर से नियुक्त करने में असमर्थता के चलते की गई है। हालांकि, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी का दावा है कि इस कदम के पीछे एआई से प्रेरित उत्पादकता वृद्धि नहीं है। यह संख्या कंपनी के कुल कार्यबल का लगभग 2 प्रतिशत है, और मुख्यतः मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्रभावित करेगी।

एआई और ऑटोमेशन केवल तकनीक नहीं हैं, वे कार्य संस्कृति, संगठन संरचना और मानव संसाधन नीति को मूल रूप से बदल रहे हैं। कई रिपोर्टों के अनुसार, एआई से प्रेरित उत्पादकता और लागत में कटौती की प्रवृत्ति बढ़ रही है। उदाहरण के तौर पर, एमेजोन ने 30,000 सॉफ्टवेयर एप्लिकेशनों को एआई की मदद से मात्र छह महीनों में अपग्रेड किया, जो कार्य सामान्यतः डेवलपर्स को एक वर्ष लगता। इससे कंपनी को लगभग 250 मिलियन डॉलर की बचत हुई। इसी प्रकार, माइक्रोसोफ्ट और मेटा जैसी कंपनियों में कोडिंग का 20 से 50 प्रतिशत कार्य एआई से कराया जा रहा है। भारत में एआई का प्रसार अभी अमेरिका या यूरोप की तुलना में सीमित है, लेकिन इसकी गति तीव्र है। देश के स्टार्टअप और आईटी क्षेत्र में छंटनियों की संख्या बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल वर्ष 2025 के शुरूआती पांच महीनों में भारत में 3600 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से हटाया गया, जिसमें एआई आधारित लागत नियंत्रण एक प्रमुख कारण रहा। यह स्पष्ट करता है कि एआई के कारण दोहराव वाले कार्यों की उपयोगिता घट रही है और उनकी जगह स्मार्ट तकनीक ले रही है। मौजूदा समय में यह कदम लागत-अनुकूलन पहलों के चलते अन्य आईटी सेवा कंपनियों में भी छंटनी को बढ़ावा दे सकता है। इसमें दो राय नहीं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कारोबार के नियमों में मौलिक बदलाव के चलते, भविष्य के लिये तैयार रहना हर व्यावसायिक उद्यम के एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इस नई हकीकत को देखते हुए, अनेक सवाल सबसे ज्यादा विचलित करने वाले बनकर उभर रहे हैं कि क्या यह तकनीकी बदलाव अनिवार्य रूप से कर्मचारियों की कीमत पर होना चाहिए? एआई युग में नौकरी की अनिश्चितता क्या तकनीक विकास के नाम पर विस्थापन नहीं है? छंटनी की चपेट में युवाओं का भविष्य क्या तकनीकी प्रगति के नाम पर मानव श्रम पर आघात नहीं है? क्या स्मार्ट मशीनें के दौर में भारत में रोजगार को नई चुनौती और इंसानों को हताशा में धकेलना नहीं है? एआई का विस्तार यानी नौकरी का संकुचन क्या भारत के लिए बड़ी चेतावनी की घड़ी बन रहा है?

इन प्रश्नों के परिप्रेक्ष्य में देश में बेरोजगारी का संकट किसी से छिपा नहीं है। देश में श्रमबल का कौशल विकास धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में आईटी पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लेकिन टीसीएस के इस फैसले से आईटी पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर रहे उन लाखों छात्रों और डिग्री लेकर निकल रहे उत्साही इंजीनियरों में निराशा व्याप्त होगी। भारत में बढ़ता रोजगार संकट केंद्र सरकार से निरंतर हस्तक्षेप की मांग करता है। हाल ही में हरियाणा में हुई एक परीक्षा में लाखों युवाओं की भागीदारी इस बात का संकेत है कि रोजगार की मांग कितनी व्यापक और अवसर कितने सीमित हैं। देश ही नहीं, दुनिया में रोजगार का संकुचन एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। गोल्डमैन सोच्स की रिपोर्ट के अनुसार, एआई और ऑटोमेशन के चलते दुनिया भर में लगभग 300 मिलियन नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं। विश्व आर्थिक मंच का आकलन है कि 2030 तक 92 मिलियन नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन उसी अवधि में 170 मिलियन नई नौकरियां भी पैदा होंगी। यह एक दोधारी तलवार है, जो बदलेगा, बचेगा; जो रुकेगा, वो हाशिए पर जाएगा।

टीसीएस का दावा है कि छंटनी का निर्णय भविष्य की जरूरतों के अनुसार संगठन को ढालने की रणनीति का हिस्सा है। कंपनी का ध्यान एआई में निवेश, नए बाजारों में प्रवेश, ग्राहक अनुभव सुधार और कार्यबल मॉडल के पुनर्गठन पर केंद्रित है। हालांकि, यह तर्क उन हजारों कर्मचारियों की व्यथा को शांत नहीं कर सकता जिनकी आजीविका पर इसका सीधा प्रहार हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से न केवल कंपनी के भीतर बल्कि समूचे आईटी क्षेत्र में आशंका, आक्रोश एवं अनिश्चितता का माहौल बन गया है। खासकर युवाओं और आईटी की पढ़ाई कर रहे लाखों छात्रों के लिए यह एक मानसिक झटका है। तकनीकी शिक्षा में दाखिले बढ़ रहे हैं, लेकिन रोजगार के अवसर घटते जा रहे हैं। यह असंतुलन देश की सामाजिक स्थिरता को भी प्रभावित कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें बताती हैं कि विश्व स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत नौकरियां एआई के कारण जोखिम में हैं। भारत में अनुमान है कि 2025 तक 12-18 मिलियन नौकरियां एआई आधारित ऑटोमेशन के चलते प्रभावित हो सकती हैं, विशेषकर आईटी और बीपीओ क्षेत्रों में। एटेमबर्ग के संस्थापक के अनुसार, भारत में 40-50 प्रतिशत व्हाइट कॉलर नौकरियां एआइ से प्रभावित होने के कगार पर हैं, जिससे देश के मध्यवर्ग की आर्थिक स्थिरता को गहरा झटका लग सकता है।

टीसीएस की छंटनी ने बेरोजगारी के दौर में बड़ी हलचल मचाई है, हालांकि आईटी और तकनीकी पाठ्यक्रमों में दाखिले बढ़े हैं, लेकिन उनमें व्यावहारिक और भविष्य-उन्मुख कौशल की कमी है। यह असंगति ही भविष्य में अधिक छंटनियों का कारण बन सकती है। एआई हर भूमिका को खत्म नहीं करेगा, बल्कि उसे पुनर्परिभाषित करेगा। जहां दोहराव और विश्लेषण की आवश्यकता है, वहां एआई प्रभावी होगा, लेकिन रचनात्मकता, सहानुभूति और निर्णय क्षमता जैसे गुणों में मानव की भूमिका बनी रहेगी। डॉक्टर, शिक्षक, वकील, पत्रकार जैसे पेशों में एआईएक सहयोगी के रूप में कार्य करेगा, प्रतिस्थापन के रूप में नहीं। मेटा के प्रमुख एआई वैज्ञानिक यान लेकुन के अनुसार, एआई अधिकतर कार्यों का केवल एक हिस्सा ही कर सकता है, वह भी पूरी तरह परिपूर्ण नहीं। मानव श्रमिकों का सीधा प्रतिस्थापन संभव नहीं है।

निश्चित तौर पर एआई और तकनीकी बदलाव अपरिहार्य हैं। सवाल यह है कि हम इसके लिए कितने तैयार हैं? इसके लिए तीन प्रमुख कदम जरूरी हैं, पहला पुनःकौशल और सतत शिक्षा यानी कार्यबल को भविष्य के अनुरूप प्रशिक्षित करना होगा। डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, एआई एथिक्स, सॉफ्ट स्किल्स जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण अनिवार्य बनाना होगा। दूसरा नीतिगत समर्थन यानी सरकार को एआई नीति, डिजिटल समावेशन और श्रमिक सुरक्षा के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने होंगे। रोजगार खोने वालों के लिए पुनर्वास योजनाएं और स्किल अपडेट कार्यक्रम आवश्यक हैं। तीसरा सांस्कृतिक और सामाजिक समायोजन यानी एआई को केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के रूप में भी देखा जाना चाहिए। इसे अपनाने में पारदर्शिता, विश्वास और सहयोग का वातावरण बनाना होगा। तकनीकी बदलाव नई संभावनाएं लेकर आते हैं, लेकिन वे अनायास ही चुनौतियां भी खड़ी करते हैं। टीसीएस की छंटनी से जो संदेश मिलता है वह यही है कि एआई युग में केवल वही टिकेगा जो परिवर्तनशील रहेगा। अब समय आ गया है कि हम तकनीक को केवल उपकरण नहीं, बल्कि नीति और जीवनशैली का हिस्सा मानें। सतत सीखना, अनुकूलन और सामाजिक न्याय, यही तीन स्तंभ हैं, जो भारत को इस तकनीकी क्रांति में न केवल जीवित, बल्कि अग्रणी बना सकते हैं।

'ऑपरेशन महादेव' की सफलता से पहलगाम के गुनहगारों का हुआ अंत, पाकिस्तान बिलबिलाया

अशोक भाटिया

जब भारत के पर्यटक कश्मीर के एक दर्शनीय स्थल पहलगाम में सैर पर थे, तो बिना किसी अपराध के उनका सिर कलम कर दिया गया और वह भी बेरहमी से। अपने धर्म के बारे में पूछकर, उन्हें कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया। इस घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया और पूरे देश को आतंकवादियों के खिलाफ प्रज्वलित कर दिया। अप्रैल 2025 में, नरसंहार हुआ और 26 नागरिक मारे गए। 26 महिलाओं के सिन्दूर मिटा दिए गए। इस क्रूर नरसंहार के लिए जिम्मेदार तीन आतंकवादी हाल ही में कश्मीर के एक राष्ट्रीय उद्यान में मारे गए थे। मारे गए आतंकियों में पहलगाम नरसंहार का मास्टरमाइंड सुलेमान मारा गया। इसलिए, जब लोकसभा ऑपरेशन सिंदूर पर बहस कर रही थी, यह खबर तब आई जब विपक्ष, विशेष रूप से कांग्रेस के बीच बहस हार गई। समाजवादी पार्टी के रमाशंकर राजभर सरकार पर सवाल उठाने के लिए अच्छी तरह से तैयार थे। उनके दावे की धार खत्म हो चुकी थी। बेशक, विपक्ष की चिंताएं आतंकवादियों की हत्या के लिए अप्रासंगिक थीं। उन्होंने पूछा कि नरसंहार के लिए जिम्मेदार आतंकवादी अभी तक कैसे आजाद हैं। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को मारकर बड़ी जीत हासिल की। हमले का मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी सुलेमान शाह बताया जा रहा है।

बताया जाता है कि पहलगाम आतंकी हमले से जुड़ी एक कम्युनिकेशन डिवाइस ने सुरक्षाबलों को श्रीनगर के दाचीगाम वन क्षेत्र में छिपे आतंकियों तक पहुंचाया। इस क्षेत्र में इसके सक्रिय होने के बाद से ही सेना और सुरक्षा एजेंसियां इसे ट्रैक कर रही थीं। सोमवार को तीन आतंकियों के मारे जाने की कामयाबी के पीछे भी इसी डिवाइस का एक्टिवेट होना रहा। इसी के साथ ऑपरेशन महादेव सफल हुआ।

22 अप्रैल, 2025 को हुए पहलगाम आतंकवादी हमले की जांच के दौरान एक कम्युनिकेशन डिवाइस के दोबारा से एक्टिवेट होने से इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के संकेत मिले थे। इसके आधार पर सेना द्वारा लगातार इस क्षेत्र में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा था। सोमवार को इस ऑपरेशन के दौरान बड़ी कामयाबी मिली और सेना की 24 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और 4 पैरा स्पेशल फोर्सेज ने सुबह तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया। सूत्रों के अनुसार तीनों पाकिस्तानी आतंकवादी बताए जा रहे हैं और इनके नाम अबू हमजा उर्फ हारिस, यासिर और सुलेमान बताए जा रहे हैं। ये लश्कर- ए-ताइबा के हैं। हालांकि, इसको लेकर सुरक्षाबलों की ओर से कोई पुष्टि नहीं की गई है। उनके अनुसार शिनाख्त होने के बाद ही पुष्टि की जाएगी। सैन्य सूत्रों ने अमर उजाला को बताया कि पहलगाम हमले के बाद से कम्युनिकेशन डिवाइस की जांच की जा रही थी। करीब दो सप्ताह पहले अचानक से इस डिवाइस पर संदिग्ध संचार का पता चला।

इसके बाद तुरंत ही सेना ने अपनी यूनिट को सतर्क कर दिया। गौरतलब है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा पहले गिरफ्तार किए गए परवेज और बशीर अहमद नामक दो आतंकवादियों ने भी बताया था कि पहलगाम आतंकवादी हमले में तीन पाकिस्तानी लश्कर आतंकवादी शामिल थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस के आईजीपी वीके बिरदी ने कहा कि शवों को नीचे लाने में समय लगेगा। उसके बाद उनकी शिनाख्त हो पाएगी।

एजेंसियों का मानना है कि जिस कम्युनिकेशन डिवाइस के सिग्नल दोबारा से एक्टिवेट हुए हैं। यह डिवाइस पहलगाम हमले में आतंकियों द्वारा इस्तेमाल में लाई गई थी। इसके कॉर्डिनेट्स जांच के दौरान पाया गया कि आतंकी इस डिवाइस का इस्तेमाल दाचीगाम के ऊपरी क्षेत्र में कर रहे हैं। इसके बाद से लगातार इस क्षेत्र में आतंकवादियों के खिलाफ अभियान शुरू किया गया। सूत्रों ने बताया कि रविवार देर रात लिदवास क्षेत्र में आतंकवादियों की मूवमेंट की सूचना मिली। इसके बाद 24 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और 4 पैरा स्पेशल फोर्सेज के जवानों ने ऑपरेशन को तेज किया।

सुरक्षा बलों ने कई बार घोषणा की थी कि 'ऑपरेशन महादेव' शुरू किया गया था, लेकिन ये आतंकवादी नहीं मिले थे, इसलिए सरकार की शक्तिशाली सेनाएं रडार के नीचे आ गई थीं। इस बीच, राहुल गांधी और सपा जैसी पार्टियों ने सरकार की आलोचना करके सवाल पूछना शुरू कर दिया था। सरकार को अब विपक्ष के सवालों के जवाब देने में अधिक आत्मविश्वास का सामना करना पड़ेगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कल संसद में कहा था। वो 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है। भारतीय सेना ने बिना किसी को जाने ऑपरेशन को सफल बना दिया। जब ऑपरेशन सिंदूर को लेकर चर्चा चल रही थी, तब विपक्ष की हवा हटाने की इस खबर से न सिर्फ सरकार को काफी राहत मिली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर कहा था।एयर डिफेंस सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जरिए भारतीय वायुसेना के विभिन्न उपकरणों के जरिए ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया और पाकिस्तान में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। लेकिन हत्याओं के लिए जिम्मेदार आतंकवादी खुले घूम रहे थे और इसलिए भारत सरकार विपक्ष के रडार पर थी। लेकिन कहा जा सकता है कि सुरक्षाबलों ने इन आतंकियों का सफाया कर भारतीय सुरक्षा में एक अध्याय पूरा कर लिया है। पहलगाम नरसंहार में 26 पर्यटकों की हत्या कर दी गई थी और उन्हें पेन पढ़ने और यह देखने के लिए गोली मार दी गई थी कि क्या कुछ पर्यटकों का खतना हुआ है। भारत ने तब 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। आतंकवादियों को मारने के लिए ऑपरेशन को 'ऑपरेशन महादेव' नाम दिया गया था। पहलगाम एक पर्यटन स्थल है लेकिन आतंकवादियों ने इस तरह के नरसंहार को अंजाम देकर बढ़ते पर्यटन को बाधित करने की कोशिश की। उनके प्रति भारतीयों की प्रतिक्रिया बढ़ना तय है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल ने 'ऑपरेशन महादेव' में पहलगाम नरसंहार में तीन आतंकियों के मारे जाने का ऐलान करते हुए देश में खुशी की लहर दौड़ गई है।

स्पष्ट है कि भविष्य में ऐसी कोई हत्या नहीं होगी क्योंकि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तानी आतंकवादियों की कमर तोड़ दी है और भारतीय सेना ने साबित कर दिया है कि हम कितने शक्तिशाली हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत की ओर से किए गए हमलों में पाकिस्तान के मुरीदके और अन्य जगहों पर आतंकी कैंप तबाह हो गए, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने सतलुज नदी का पानी पाकिस्तान जा रहा था और पाकिस्तान को आज 'त्राह-मैम' कहने पर मजबूर कर दिया था। भारत ने पहले ही कड़ा भरोसा दिलाया है कि अगर पाकिस्तान भविष्य में इसी तरह की कोई आतंकी हरकत करता है तो इसे भारत के खिलाफ युद्ध माना जाएगा। मुझे आशा है कि यह चोट नहीं करता है। लेकिन अगर वह ऐसा करते हैं, तो भारतीय सेना सक्षम है। यह अच्छा है कि इस ऑपरेशन के दौरान पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड मारा गया। अब कहा जा सकता है कि भारत ने पाकिस्तान का पूरी तरह से बदला ले लिया है। अब समय आ गया है कि भारत उन मिनी पाकिस्तानियों से सावधान रहे जो भारत में हैं और उन लोगों को सबक सिखाएं जो अभी भी भारत में रहते हैं और पाकिस्तान की प्रशंसा करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा और कहा जा सकता है कि जिन लोगों ने अपने पतियों को खोया उन्हें न्याय मिला। पीएम मोदी की सरकार और भारतीय सेना की सफलता को सलाम। बताया जाता है कि ऑपरेशन महादेव में 3 आतंकियों के मारे जाने पर पाकिस्तान बिलबिला कर रह गया है. पाकिस्तान ने कहा है कि भारत की एजेंसियां डिटेन कर रखे गए पाकिस्तानियों को एनकाउंटर में खत्म कर इन्हें सीमा पार आतंकी बता रही हैं. पाकिस्तान की सरकारी एजेंसियां इन आतंकियों को 'निर्दोष' और 'मासूम पाकिस्तानी' बता रही हैं.पाकिस्तान के अंग्रेजी अखबार डॉन ने अपनी रिपोर्ट में पाकिस्तानी सुरक्षा सूत्रों के हवाले से लिखा है कि भारत ऑपरेशन महादेव के नाम पर फेक एनकाउंटर कर रहा है. अखबार ने लिखा है कि भारत की एजेंसियां कथित रूप से निर्दोष पाकिस्तानियों को जिन्हें इंडिया ने जबरन डिटेन कर रखा है स्टेज्ड एनकाउंटर में यूज करने की तैयारी कर रही हैं और उन्हें सीमा पार आतंकी बता रही है.

हास्यास्पद रूप से अखबार ने ये नहीं बताया है कि एक पाकिस्तानी नागरिक कश्मीर के जंगलों में सैटेलाइट फोन और हथियारों के जखीरे के साथ क्या कर रहा था. सेना ने मुठभेड़ स्थल से एक एम4 कार्बाइन राइफल, दो एके राइफल और अन्य हथियार बरामद किए हैं. पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद चौधरी शरीफ ने दावा किया है कि 723 पाकिस्तानी नागरिक भारत के जेलों में बंद हैं. लेकिन पाकिस्तानी सेना ने यह नहीं बताया कि ये 723 पाकिस्तानी नागरिक बॉर्डर पार कर भारत की सीमा में कैसे पहुंचे. डॉन ने पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के हवाले से लिखा है कि डिटेन किए गए इन लोगों को पाकिस्तान के खिलाफ बयान देने पर मजबूर किया जा सकता है. जिओ न्यूज ने बचकाना दावा करते हुए लिखा है कि एनकाउंटर की थ्योरी को साबित करने के लिए भारतीय एजेंसियों ने आतंकवादियों की तस्वीरें और हथियार पहले ही जारी कर दिए थे. जिओ के अनुसार क्वढफने अपनी एक ब्रीफिंग के दौरान कहा था कि भारत की खुफिया एजेंसियों ने 56 पाकिस्तानियों को हिरासत में रखा है. लेकिन ये पाकिस्तानी भारत की सीमा में कैसे पहुंचे हैं इस बारे में पाकिस्तान ने चुप्पी साध रखी है. पाकिस्तान के न्यूज चैनल 365 प्लस ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि भारत ने अब ऑपरेशन महादेव शुरू किया है और इसके नाम पर हिरासत में रखे 'मासूम' पाकिस्तानियों का इस्तेमाल एनकाउंटर में कर रहा है. इस चैनल ने कहा है कि भारत ने ऑपरेशन को कामयाब सैन्य कार्रवाई के तौर पर पेश कर रहा है.

असम से पूर्वांचल तक डेमोग्राफिक चेंज जनसंख्या की उथल-पुथल का सच

-संजय सक्सेना

संजय सक्सेना,लखनऊ

तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के हालिया बयान ने असम, पश्चिम बंगाल और पूर्वांचल (उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ हिस्सों) में पिछले कुछ दशकों में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। गांधीनगर में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में बोलते हुए, उन्होंने इन परिवर्तनों को एक ह्यटाइम बमह्ण करार दिया, जिसने न केवल राजनीतिक हलकों में बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मंचों पर भी बहस छेड़ दी है। यह बयान भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में जनसांख्यिकी, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक स्थिरता जैसे संवेदनशील मुद्दों को उजागर करता है। राज्यपाल के टाइम बम वाले बयान के निहितार्थ, इसके ऐतिहासिक संदर्भ, और इसके सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रभावों पर गहराई से विचार करने पर भविष्य में डेमोग्राफिक चेंज को लेकर कई गंभीर चुनौतियां नजर आती हैं।

दरअसल, भारत की जनस-ांख्यिकी हमेशा से एक जटिल और गतिशील विषय रही है। असम, पश्चिम बंगाल और पूर्वांचल जैसे क्षेत्रों में जनसंख्या की संरचना में बदलाव का इतिहास लंबा और बहुआयामी है। इन क्षेत्रों में जनस-ांख्यिकीय परिवर्तन मुख्य रूप से प्रवास, आर्थिक गतिविधियों, और सांस्कृतिक कारकों से प्रभावित हुए हैं। उदाहरण के लिए, असम में 19वीं सदी से ही बंगाल और बांग्लादेश (पूर्वी पाकिस्तान) से प्रवास का लंबा इतिहास रहा है। ब्रिटिश शासनकाल में चाय बागानों के लिए श्रमिकों को लाया गया, जिसने असम की जनसांख्यिकी को प्रभावित किया।

स्वतंत्रता के बाद, विशेष रूप से 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान, बड़े पैमाने पर प्रवास ने इस क्षेत्र की सांस्कृतिक और धार्मिक संरचना को बदल दिया। पश्चिम बंगाल में भी, सीमा पार से प्रवास और शहरीकरण ने जनसांख्यिकी को प्रभावित किया है। पूर्वांचल में, आर्थिक अवसरों की कमी और बेहतर रोजगार की तलाश में अन्य क्षेत्रों से प्रवास ने जनसंख्या की गतिशीलता को बढ़ाया है।

राज्यपाल का यह बयान कि क्या कोई भविष्यवाणी कर सकता है कि अगले 50 वर्षों में इन क्षेत्रों में राष्ट्र विभाजन नहीं होगा, एक गंभीर चेतावनी है। यह 1947 के भारत विभाजन की याद दिलाता है, जब धार्मिक और सांस्कृतिक आधार पर देश का बंटवारा हुआ था। उनके शब्दों में निहित है एक डर कि जनसांख्यिकीय परिवर्तन सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर सकते हैं और क्षेत्रीय या सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा सकते हैं। हालांकि, इस बयान ने विवाद भी खड़ा किया है, क्योंकि यह एक विशेष विचारधारा को बढ़ावा देने के रूप में देखा जा सकता है। कुछ आलोचकों का मानना है कि यह बयान उन क्षेत्रों में रहने वाली विभिन्न समुदायों के बीच अविश्वास को बढ़ा सकता है, खासकर जब इसे राष्ट्रीय एकता के विपरीत देखा जाता है।

इन क्षेत्रों में जनसांख्यिकीय बदलावों की चिंता केवल सांख्यिकी तक सीमित नहीं है। यह सांस्कृतिक पहचान, भाषाई विविधता, और सामाजिक एकता जैसे गहरे मुद्दों से जुड़ा है। इसी के चलते असम में असमिया पहचान की रक्षा के लिए लंबे समय से आंदोलन चल रहे हैं, जैसे कि असम आंदोलन (1979-1985) जो अवैध प्रवास के खिलाफ था। इसी तरह से पश्चिम बंगाल में, बंगाली संस्कृति और भाषा की प्रमुखता को बनाए रखने की चिंता समय-समय पर उठती रही है। पूर्वांचल में, हिंदी भाषी आबादी और अन्य समुदायों के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक टकराव देखा गया है। इन सभी क्षेत्रों में, जनसांख्यिकीय परिवर्तन को अक्सर स्थानीय समुदायों द्वारा अपनी पहचान और संसाधनों पर खतरे के रूप में देखा जाता है।

कहने का तात्पर्य यह है कि तमिलनाडु राज्यपाल का यह बयान राजनीतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। तमिलनाडु में, जहां द्रविड़ विचारधारा का प्रभाव रहा है, राष्ट्रीय एकता और क्षेत्रीय स्वायत्तता के बीच तनाव समय-समय पर देखा गया है। आरएन रवि का यह बयान, जो पहले से ही राज्य सरकार के साथ कुछ मुद्दों पर मतभेदों के लिए चर्चा में रहे हैं, इसे एक राष्ट्रीयवादी दृष्टिकोण के रूप में देखा जा सकता है। उनके शब्दों में ह्यवन नेशन, वन लैंग्वेजह्ण जैसी विचारधारा का संकेत मिलता है, जो तमिलनाडु जैसे भाषाई और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील राज्य में विवादास्पद हो सकता है। यह बयान उन क्षेत्रों में भी तनाव पैदा कर सकता है, जहां पहले से ही सांप्रदायिक या क्षेत्रीय संवेदनशीलता मौजूद है।

इसके अलावा, जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का मुद्दा सामाजिक और आर्थिक नीतियों से भी जुड़ा है। इन क्षेत्रों में संसाधनों का असमान वितरण, बेरोजगारी, और शिक्षा तक सीमित पहुंच जैसे कारक प्रवास को बढ़ावा देते हैं। यदि सरकारें इन मुद्दों को संबोधित करने में विफल रहती हैं, तो सामाजिक तनाव और बढ़ सकता है। उदाहरण के लिए, असम में अवैध प्रवास को रोकने के लिए राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (छत्ब) जैसे कदम उठाए गए हैं, लेकिन इनके कार्यान्वयन में कई चुनौतियां सामने आई हैं। पश्चिम बंगाल में, प्रवास से संबंधित नीतियां अक्सर राजनीतिक दलों के बीच विवाद का कारण बनती हैं।

इस बयान का एक और पहलू है इसका भविष्य पर प्रभाव। राज्यपाल ने अगले 50 वर्षों में राष्ट्र विभाजन की आशंका जताई है, जो एक गंभीर चेतावनी है। हालांकि, यह भी महत्वपूर्ण है कि इस तरह की चेतावनियों को सावधानीपूर्वक संभाला जाए, ताकि सामाजिक सौहार्द बिगड़े नहीं। भारत की ताकत उसकी विविधता में निहित है, और जन जतनेजे को मजबूत करने के लिए समावेशी नीतियों की आवश्यकता है। शिक्षा, रोजगार, और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने वाली नीतियां इन चिंताओं को कम कर सकती हैं। अंत में, आरएन रवि का बयान एक गंभीर मुद्दे को उजागर करता है, लेकिन इसे संबोधित करने के लिए एक संतुलित और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। जनसांख्यिकीय परिवर्तन एक वास्तविकता है, लेकिन इसे टाइम बम के रूप में देखने के बजाय, इसे समझने और प्रबंधन करने की जरूरत है। भारत जैसे देश में, जहां विविधता इसकी सबसे बड़ी ताकत है, सामाजिक एकता और राष्ट्रीय एकीकरण को बनाए रखने के लिए संवाद और सहयोग आवश्यक है।

हिंदी साहित्य में मुंशी प्रेमचंद का स्थान सर्वश्रेष्ठ

31 जुलाई मुंशी प्रेमचंद जयंती

प्रेमचंद जिनका जन्म 31 जुलाई 1880 को हुआ था। ये हिन्दी और उर्दू के महानतम भारतीय लेखकों में से एक थे। इनका मूल नाम धनपत राय श्रीवास्तव था। प्रेमचंद को नवाब राय और मुंशी प्रेमचंद के नाम से भी जाना जाता है। उपन्यास के क्षेत्र में उनके योगदान को देखकर बंगाल के विख्यात उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने उन्हें उपन्यास सम्राट कहकर संबोधित किया था। प्रेमचंद ने हिन्दी कहानी और उपन्यास की एक ऐसी परंपरा का विकास किया जिसने पूरी सदी के साहित्य का मार्गदर्शन किया। आगामी एक पूरी पीढ़ी को गहराई तक प्रभावित कर प्रेमचंद ने साहित्य की यथार्थवादी परंपरा की नींव रखी। उनका लेखन हिन्दी साहित्य की एक ऐसी विरासत है जिसके बिना हिन्दी के विकास का अध्ययन अधूरा होगा। ये एक संवेदनशील लेखक सचेत नागरिक, कुशल वक्ता तथा सुधी (विद्वान) संपादक थे। बीसवींशती के पूर्वार्द्ध में, जब हिन्दी में तकनीकी सुविधाओं का अभाव था, उनका योगदान अतुलनीय है। प्रेमचंद के बाद जिन लोगों ने साहित्य को सामाजिक सरोकारों और प्रगतिशील मूल्यों के साथ आगे बढ़ाने का काम किया,उनमें यशपाल से लेकर मुक्तिबोध तक शामिल हैं। उनके पुत्र हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार अमृतराय हैं जिन्होंने इन्हें कलम का सिपाही नाम दिया था। प्रेमचंद का जन्म वाराणसी के निकट लमही गाँव में हुआ था। उनकी माता का नाम आनन्दी देवी था तथा पिता मुंशी अजायबराय लमही में डाकमुंशी थे। उनकी शिक्षा का आरंभ उर्दू फारसी से हुआ। पढ़ने का शौक उन्हें बचपन से ही लग गया। 13 साल की उम्र में ही उन्होंने तिलिस्म-ए-होशरुबा पढ़ लिया और उन्होंने उर्दू के मशहूर रचनाकार रतननाथ 'शरसार', मिर्जा हादी रुस्वा और मौलाना शरर केहादी रुस्वा और मौलाना शरर के उपन्यासों से परिचय प्राप्त कर लिया। १८९८ में मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद वे एक स्थानीय विद्यालय में शिक्षक नियुक्त हो गए। नौकरी के साथ ही उन्होंने पढ़ाई जारी रखी। १९१० में उन्होंने अंग्रेजी, दर्शन, फारसी और इतिहास लेकर इंटर पास किया और १९१९ में बी, ए, पास करने के बाद शिक्षा विभाग के इंस्पेक्टर पद पर नियुक्त हुए। सात वर्ष की अवस्था में उनकी माता तथा चौदह वर्ष की अवस्था में पिता का देहान्त हो जाने के कारण उनका प्रारंभिक जीवन संघर्षमय रहा। उनका पहला विवाह उन दिनों की परंपरा के अनुसार पंद्रह साल की उम्र में हुआ जो सफल नहीं रहा। वे आर्य समाज से प्रभावित रहे जो उस समय का बहुत बड़ा धार्मिक और सामाजिक आंदोलन था। उन्होंने विधवा-विवाह का समर्थन किया और १९०६ में दूसरा विवाह अपनी प्रगतिशील परंपरा के अनुरूप बाल-विधवा शिवरानी देवी से किया। उनकी तीन संताने हुईं- श्रीपत राय, अमृत राय और कमला देवी श्रीवास्तव। १९१० में उनकी रचना सोजे वतन (राष्ट्र का विलाप) के लिए हमीरपुर के जिला कलेक्टर ने तलब किया और उन पर जनता को भड़काने का आरोप लगाया। सोजे वतन की सभी प्रतियाँ जब्त कर नष्ट कर दी गईं। कलेक्टर ने नवाबराय को हिदायत दी कि अब वे कुछ भी नहीं लिखेंगे, यदि लिखा तो जेल भेज दिया जाएगा। इस समय तक प्रेमचंद, धनपत राय नाम से लिखते थे। उर्दू में प्रकाशित होने वाली जमाना पत्रिका के सम्पादक और उनके अजीज दोस्त मुंशी दयानारायण निगम ने उन्हें प्रेमचंद नाम से लिखने की सलाह दी। इसके बाद वे प्रेमचन्द के नाम से लिखने लगे। उन्होंने आरंभिक लेखन जमाना पत्रिका में ही किया। जीवन के अंतिम दिनों में वे गंभीर रूप से बीमार पड़े। उनका उपन्यास मंगलसूत्र पूरा नहीं हो सका और लम्बी बीमारी के बाद ८ अक्टूबर १९३६ को उनका निधन हो गया। उनका अंतिम उपन्यास मंगल सूत्र उनके नैपुत्र अमृत ने पूरा किया। प्रेमचंद आधुनिक हिन्दी कहानी के पितामह और उपन्यास सम्राट माने जाते हैं। यों तो उनके साहित्यिक जीवन का आरंभ 1901 से हो चुका था पर उनकी पहली हिन्दी कहानी सरस्वती पत्रिका के दिसम्बर अंक में 1915 में सौत नाम से प्रकाशित हुई और 1936 में अंतिम कहानी कफन नाम से प्रकाशित हुई। बीस वर्षों की इस अवधि में उन्होंने पौराण यथार्थवाद की शुरूआत की। इस अवधि में उनकी कहानियों के अनेक रंग देखने को मिलते हैं। उनसे पहले हिंदी में काल्पनिक, एय्यारी और पौराणिक धार्मिक रचनाएं ही की जाती थी।

प्रेमचंद ने हिंदी में यथार्थवाद की शुरूआत की। चाहे वह दलित साहित्य हो या नारी साहित्य उसकी जड़ें कहीं गहरे प्रेमचंद के साहित्य में दिखाई देती हैं। प्रेमचंद के लेख पहली रचना के अनुसार उनकी पहली रचना अपने मामा पर लिखा व्यंग्य थी, जो अब अनुपलब्ध है। उनका पहला उपलब्ध लेखन उनका उर्दू उपन्यास 'असरारे मआबिद है। प्रेमचंद का दूसरा उपन्यास 'हमखुर्मा व हमसवाब जिसका हिंदी रूपांतरण 'प्रेमा' नाम से 1907 में प्रकाशित हुआ। इसके बाद प्रेमचंद का पहला कहानी संग्रह सोजे-वतन नाम से आया जो 1908 में प्रकाशित हुआ।साहित्य में दिखाई देती हैं। प्रेमचंद के लेख पहली रचना के अनुसार उनकी पहली रचना अपने मामा पर लिखा व्यंग्य थी, जो अब अनुपलब्ध है। उनका पहला उपलब्ध लेखन उनका उर्दू उपन्यास 'असरारे आबिद है। प्रेमचंद का दूसरा उपन्यास 'हमखुर्मा व हमसवाब सोजे वतन यानी देश का दर्द। देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत होने के कारण इस पर अंग्रेजी सरकार ने रोक लगा दी और इसके लेखक को भविष्य में इस तरह का लेखन न करने की चेतावनी दी। इसके कारण उन्हें नाम बदलकर लिखना पड़ा। प्रेमचंद नाम से उनकी पहली कहानी बड़े घर की बेटी जमाना पत्रिका के दिसम्बर 1910 के अंक में प्रकाशित हुई। मुंशी प्रेमचंद ने अनेक कहानियां लिखी जैसे दुनिया का सबसे अनमोल रत्न , शेख मखमूर , यही मेरा वतन , शोक का पुरस्कार , सांसारिक प्रेम और देश प्रेम , कफन , लेखक, जुरमाना , रहस्य , मेरी पहली रचना , कश्मीरी सेब , जीवनसार , तथ्य , दो बहनें आहुति , होली का उपहार , पण्डित मोटेराम की डायरी , प्रेम की होली , यह भी नशा, वह भी नशा,, बीच-बीच में वह उपन्यास भी लिखते थे जो इस प्रकार हैं गोदान , गबन कर्मभूमि, कायाकल्प , निर्मला : मानसरोवर मानसरोवर नामक श्रृंखलाबद्ध उपन्यास उन्होंने आठ भागों में लिखा। कई कहानियां भी लिखे जो इस प्रकार से है, प्रतिज्ञा, प्रेमाश्रम ‍मंगलसूत्र (अपूर्ण) ,अलंकार, ईदगाह ,माँ बेटों वाली विधवा,बड़े भाईसाहब ‍शान्ति

नशा , स्वामिनी , ठाकुर का कुआँ , घर जमाई ‍पूस की रात , झाँकी ,गुल्ली-डंडा ‍ज्योति ‍दिल की रानी , धिक्कार , कायर , शिकार ,सुभागी ‍ अनुभव ,लांछन , ।

अंतत मुंशी प्रेमचंद की सादगी की एक बानगी देखिए, जिसमें विद्व साहित्यकार हरिशंकर परसाई जी ने उन्हें आदरांजली देते हुए उन पर कहा था - (मुंशी प्रेमचंद जी की अपनी पत्नी के साथ फोटो जिसमें उन्होंने फटे जूते पहने हुये हैं, इस फोटो को देखकर हरिशंकर परसाई जी ने कहा) - ‍सोचता हूँ-फोटो खिंचवाने की अगर यह पोशाक है, तो पहनने की कैसी होगी? नहीं, इस आदमी की अलग-अलग पोशाकें नहीं होंगी- इसमें पोशाकें बदलने का गुण नहीं है। यह जैसा है, वैसा ही फोटो में खिंच जाता है। यह पोशाक बदल भी नहीं सकता क्योंकि इसने भारत की जनता के मर्म को छुआ है इस की पोशाक के पीछे गोदान जैसे महाकाव्य की आदरांजली भी तो है ‍महान लेखक को सादर प्रणामपुण्य सरस देवभूमि को शत शत नमन है।

पालघर जिला परिषद द्वारा घरकुल लाभार्थी संवाद अभियान टप्पा-2 को जबरदस्त प्रतिसाद

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मनोज रानडे के मार्गदर्शन एवं सक्रिय सहभाग के साथ घरकुल लाभार्थी संवाद अभियान टप्पा-2 का जिले भर में प्रभावशाली रूप से आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 30 और 31 जुलाई को संचालित किया जा रहा है, जिसे लाभार्थियों की ओर से जबरदस्त और उत्साहजनक प्रतिसाद मिल रहा है। जिला परिषद की इस पहल से ग्रामीण आवास योजनाओं को नई ऊर्जा और दिशा मिल रही है।

सीईओ मनोज रानडे ने बुधवार 30 जुलाई 2025 को नंडोरे ग्राम पंचायत में घरकुल लाभार्थियों से भेंट की और निर्माण प्रगति की प्रत्यक्ष समीक्षा की। उन्होंने घरकुल लाभार्थियों के साथ खुले संवाद में उनकी समस्याएँ, निर्माण कार्य में आने वाली अड़चनें और आर्थिक कठिनाइयों को समझा। रानडे ने तुरंत समाधान सुझाए और शासन की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने लाभार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा, ‡यह केवल एक घर नहीं, बल्कि आपके परिवार के सुरक्षित भविष्य की नींव है। शासन आपके साथ मजबूती से खड़ा है, आप सिर्फ.ईमानदारी से इसे पूरा करें।‡ उनके इन प्रेरणादायी शब्दों से लाभार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर ज़िला ग्रामीण विकास यंत्रणा की प्रकल्प संचालक डॉ. रूपाली सातपुते, नवनियुक्त पालघर गटविकास अधिकारी राहुल कालभोर, सहायक गटविकास अधिकारी बापुराव नाले, नंडोरे ग्रामपंचायत के सरपंच, ग्रामविकास अधिकारी और अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अभियान के अंतर्गत पालघर जिले में छत स्तर (लिंटेल लेवल) तक पहुँचे 29,104 घरकुल लाभार्थियों से प्रत्यक्ष मुलाकात की जा रही है। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण (टप्पा 1 व 2) के 24,082, पीएम-जनमन योजना के 4,078, रमाई आवास योजना के 58, शबरी आवास योजना के 792, आदिम आवास योजना के 8 और मोदी आवास योजना के 86 घरकुल शामिल हैं। इस अभियान की विशेषता यह है कि ज़िला परिषद स्तर के सभी वर्ग 1 व वर्ग 2 अधिकारी, पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत के अधिकारी और कर्मचारी सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहे हैं। सभी लाभार्थियों से सीधे संवाद कर उन्हें प्रेरित किया जा रहा है, साथ ही उनकी समस्याओं को भी गहराई से समझा जा रहा है। इस दौरान गूगल लिंक के माध्यम से ऑनलाइन फॉर्म भरना और लाभार्थी के साथ सेल्फी लेना अनिवार्य किया गया है, जिससे दस्तावेजीकरण और मूल्यांकन की प्रक्रिया को सुगम बनाया जा रहा है। पालघर जिला इस अभियान में राज्य स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर रहा है। पहले हप्ता वितरण में ज़िला राज्य में तीसरे स्थान पर रहा, जबकि दूसरे हप्ता वितरण और घरकुल मंजूरी में राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। बुधवार 30 जुलाई को दोपहर 2 बजे तक ग्राम पंचायत स्तर के कर्मचारियों ने लगभग 12,000 लाभार्थियों से मुलाकात की है, जिसकी जानकारी गूगल शीट पर दर्ज की गई है। यह अभियान शाम तक जारी रहेगा। इस संवाद अभियान का मुख्य उद्देश्य है। लाभार्थियों को भरोसेमंद मार्गदर्शन प्रदान करना, उनके मन में सकारात्मक सोच विकसित करना और निर्धारित समयसीमा के भीतर घरकुल निर्माण पूर्ण करने के लिए उनका मनोबल बढ़ाना।

केडीएमसी आयुक्त ने किया सड़क मरम्मत कार्य का निरीक्षण

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका क्षेत्र की सड़कों पर बारिश के कारण गड्ढे पड़ गए हैं। इससे वाहन चालकों, यात्रियों और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़कों के गड्ढे भरने का काम महानगरपालिका ने शुरू कर दिया है। इस कार्य का निरीक्षण आज मनपा आयुक्त अभिनव गोयल ने किया। उन्होंने अधिकारियों और ठेकेदारों को सख्त निर्देश दिए कि काम की गुणवत्ता बनाए रखें, अन्यथा ठेकेदार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आयुक्त गोयल ने कल्याण पश्चिम के मिलिंद नगर, गौरीपाड़ा, योगीधाम तथा कल्याण पूर्व के पूना लिंक रोड, चक्की नाका, मलंग रोड जैसे इलाकों में चल रहे मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कुछ नागरिकों से बातचीत भी की। आयुक्त ने आदेश दिए कि कार्य सही तरीके से और गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए, साथ ही इसकी गति भी बढ़ाई जाए। यह निर्देश उन्होंने कनिष्ठ अभियंता, उपअभियंता और ठेकेदारों को दिए।

इस निरीक्षण के समय शहर अभियंता अनीता परदेशी, कार्यकारी अभियंता जगदीश कोरे, मनोज सांगले आदि उपस्थित थे। महापालिका क्षेत्र की सड़कों पर गड्ढों की कई शिकायतें प्रशासन को प्राप्त हुई थीं, जिसके कारण आयुक्त ने स्वयं मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। महानगरपालिका द्वारा इस वर्ष 10 प्रभाग क्षेत्रों में कुल 19 ठेकेदारों की नियुक्ति की गई है। सभी स्थानों पर सड़क मरम्मत का कार्य जारी है। सड़कों के गड्ढे भरने पर लगभग 30 करोड़ रुपये खर्च होने की संभावना है। सड़कों पर गड्ढों की शिकायतों के लिए महानगरपालिका ने 18002330045 यह टोल-फ्री नंबर 24 घंटे चालू रखा है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस नंबर पर अपनी शिकायतें दर्ज कराएं।

पालघर जिले के ज्वलंत मुद्दों को लेकर शिवसेना का आक्रामक रुख, जिलाधिकारी से की विस्तृत चर्चा

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले में मछुआरों, उद्योग, पर्यावरण व बुनियादी समस्याओं से जुड़े अहम मुद्दों को लेकर शिवसेना ने आक्रामक रुख अपनाते हुए जिलाधिकारी इंदूराणी जाखड़ से मुलाकात की। इस दौरान शिवसेना के जिलाध्यक्ष कुंदन संखे के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न जनहित के मुद्दों पर जिलाधिकारी से विस्तृत चर्चा की और समाधान के लिए त्वरित कार्रवाई की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने वाढवण बंदरगाह परियोजना से प्रभावित गांवों की सूची में दांडी, उछली, नवापूर और झाई जैसे मछुआरा बहुल गांवों को शामिल करने की मांग की। उनका कहना था कि इन गांवों का क्षेत्र भी बंदरगाह से प्रभावित है, ऐसे में इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। बारिश के दौरान बंदरगाह पट्टी के कई हिस्सों में समुद्री जल भरने से लोगों के घरों को बार-बार नुकसान होता है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए संपूर्ण क्षेत्र का सर्वेक्षण कर ठोस उपाय योजना की जरूरत बताई गई। इसके अलावा अदानी समूह द्वारा जिले में स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया का भी प्रतिनिधिमंडल ने विरोध किया। शिवसेना नेताओं ने कहा कि बिना आम जनता की सहमति के मीटर लगाने की यह प्रक्रिया पूरी तरह अनुचित है और इससे जनमानस में असंतोष फैल रहा है। यदि जबरन मीटर लगाए गए, तो शिवसेना को सड़कों पर उतरने को मजबूर होना पड़ेगा। जिंदाल समूह द्वारा प्रस्तावित मुरबे बहुउद्देशीय बंदरगाह को लेकर भी प्रतिनिधिमंडल ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इससे जुड़े कई पहलुओं को लेकर स्थानीय प्रशासन द्वारा कोई स्पष्टता नहीं दी जा रही है, जिससे ग्रामीणों में भ्रम की स्थिति है। इस पर जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह बंदरगाह समुद्र में प्रस्तावित है और इससे जुड़ा करार राज्य शासन और कंपनी के बीच हुआ है। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि विषय से संबंधित जनसुनवाई आयोजित की जाएगी, और ग्रामपंचायतों को प्रस्ताव की जानकारी दी जाएगी। चर्चा के दौरान पालघर में हो रहे मुंबई-अहमदाबाद महामार्ग के घटिया निर्माण कार्य और उसकी वजह से हो रही घंटों की ट्रैफिक समस्या की ओर भी ध्यान आकर्षित किया गया। साथ ही तारापुर औद्योगिक क्षेत्र व जिले के अन्य भागों में हो रहे जल और वायु प्रदूषण पर भी सख्त कदम उठाने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने ग्रामीण व आदिवासी इलाकों में प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान के पीड़ितों को अब तक मुआवजा नहीं मिलने की ओर भी जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित किया और शीघ्र मुआवजा वितरण की मांग की। लगभग दो घंटे चली इस बैठक में जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड़ ने सभी मुद्दों पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि कुछ महत्वपूर्ण मामलों में वे स्वयं पहल करेंगी और कार्रवाई की निगरानी करेंगी। इस प्रतिनिधिमंडल में शिवसेना पालघर जिलाध्यक्ष कुंदन संखे के साथ उपनेता ज्योति मेहेर, सह-संपर्क प्रमुख केदार काले, जिला संघटिका वैदेही वाढाण, पूर्व विधायक अमित घोडा, शिवसेना पदाधिकारी हेमंत धर्ममेहेर, सुनील इभाड, संजय चौधरी, राहुल घरत, आदित्य आहिरे सहित मच्छीमार सोसायटी के पदाधिकारी, सरपंच, जनप्रतिनिधि एवं जिलेभर के शिवसेना पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कृपाशंकर सिंह ने किया सोमा घोष के भक्ति गीत के पोस्टर का विमोचन

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह ने हिंदुस्तानी संगीत की प्रख्यात गायिका पद्मश्री सोमा घोष के आने वाले भजन गीत शिव ही शिव सबके अंदर के पोस्टर का विमोचन किया। इस भक्ति गीत को वाराणसी की गीतकार अंकिता नादान ने लिखा है। वे भी इस अवसर पर उपस्थित रहीं। पद्मश्री सोमा घोष विश्व के प्रख्यात शहनाई वादक रहे बिस्मिल्लाह खान की दत्तक पुत्री हैं।

बनारसी संगीत की परंपरा के अनुसार वे चैती, ठुमरी, कजरी, दादरा के अलावा गजल गायकी में भी प्रसिद्ध है। कृपाशंकर सिंह ने कहा कि भगवान शिव को समर्पित यह गीत लोगों में आध्यात्मिक शक्ति तथा सनातन के प्रति भक्ति का संचार करेगा।

स्टेशन परिसर को फेरीवाला मुक्त नही करने के विरोध में आयुक्त कार्यालत के बाहर उपोषण

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण डोंबिवली स्टेशन परिसर फेरी वालों से मुक्त करने के लिए ठाकरे उद्धव गुट के पदाधिकारी पिछले कई दिनों से लगातार उपोषण पर बैठे हुए हैं. आज इसी विषय को लेकर ठाकरे गुट के लोग महानगरपालिका आयुक्त से मुलाकात कि इस दौरान उपोषण करता (ठाकरे गुट)आयुक्त से फेरीवाला हटाओ लिखित रूप में पत्र मांग रहे थे. इस मुद्दे को लेकर पालिका आयुक्त लिखित पत्र देने से साफ इनकार कर दिया था. जिसको लेकर उद्धव ठाकरे गुट पदाधिकारी नाराज होकर पालिका आयुक्त के केबिन के बाहर उपोषण पर बैठ गए. मामला बिगड़ता देख आयुक्त को लिखित आश्वासन देना पड़ा ऐसा अभिजीत सावंत ने बताया।

ठाकरे गुट का आयुक्त कार्यालय के बाहर उपोषण

मिली जानकारी के अनुसार उद्धव सेना के शहर प्रमुख अभिजीत सावंत ने उच्च न्यायालय के आदेशानुसार कल्याण - डोंबिवली स्टेशन क्षेत्र से फेरीवालों को मुक्त करने के लिए 11 जून को स्टेशन क्षेत्र में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी। यह भूख हड़ताल तीन दिनों तक चली थी। उस समय अनशन करने वालों को पालिका से आश्वासन दिया गया था। की पालिका प्रशासन फेरी वालों पर कार्रवाई करेगी लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद फेरी वालों को स्टेशन परिसर से मुक्त नही किया जा सका। इस विषय मे ठाकरे गुट के पदाधिकारियों ने सोमवार को आयुक्त से मुलाकात की इस मुलाकर में आयुक्त से लिखित जवाब देने के लिए दबाव बनाया गया. लेकिन आयुक्त ने लिखित जवाब देने से साफ मना कर दिया. जिसको लेकर नाराज ठाकरे गुट पदाधिकारी आयुक्त के कार्यालय के बाहर उपोषण पर बैठ गए। मामला गर्म होने से पहले आयुक्त ने सभी पदाधिकारियों को बुलाकर स्टेशन परिसर फेरी वाला मुक्त करने का लिखित आश्वासन दिया ऐसा सावंत ने बताया।

कैप्टन सत्यम ठाकुर को मिली बड़ी जिम्मेदारी

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के कांग्रेस के नेता और समाजसेवक कैप्टन सत्यम ठाकुर को महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमिटी का सचिव नियुक्त किया गया है। पार्टी के इस निर्णय का जिले भर में स्वागत किया जा रहा है और कांग्रेस कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है।

कैप्टन ठाकुर की गिनती कांग्रेस के जमीनी नेताओं में होती है, जो वर्षों से सामाजिक कार्यों और जनसेवा में सक्रिय रहे हैं। उनकी नियुक्ति से न सिर्फ पालघर जिले का मान बढ़ा है, बल्कि पूरे कोकण क्षेत्र के कार्यकताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।पालघर के वानगांव के रहने वाले कैप्टन सत्यम ठाकुर कहा मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह मेरे लिए गर्व की बात है। मैं कांग्रेस नेतृत्व, विशेषकर राहुल गांधी की जनसेवा की सोच और विचारधारा से प्रेरित हूँ। संगठन को मजबूत करना, युवाओं को जोड़ना और समाज के अंतिम व्यक्ति तक कांग्रेस की आवाज पहुँचाना—यह मेरी प्राथमिकता रहेगी।

मैं इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ निभाऊँगा। प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने उम्मीद जताई है कि कैप्टन ठाकुर के अनुभव, प्रतिबद्धता और नेतृत्व क्षमता से पार्टी को मजबूती मिलेगी और संगठनात्मक ढांचे में नया जोश आएगा।

स्थानीय नेताओं, सामाजिक कार्यकताओं और युवाओं ने भी कैप्टन की इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

रवि व्यास ने की सार्वजनिक शौचालयों में पानी सप्लाई न करने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

भायंदर (उत्तरशक्ति)। सार्वजनिक शौचालयों में पानी सप्लाई न करने की वजह से लोगों को होने वाली असुविधा के लिए जिम्मेदार ठेकेदार पर मनपा कड़ी कार्रवाई करें, ऐसी मांग मीरा भायंदर भाजपा (145) विधानसभा चुनाव प्रभारी एड. रवि व्यास ने की है और इस संदर्भ में मनपा आयुक्त राधाविनोद शर्मा को लिखित शिकायत पत्र भी सौंपा है. रवि व्यास का कहना है कि भायंदर के प्रभाग क्रमांक 1के गणेश देवल नगर, जय अंबे नगर 1औ? 2,नेहरू नगर, शास्त्री नगर, भोला नगर,बाबासाहेब आंबेडकर नगर,मुरधा खाड़ी जैसे झोपड़पटी इलाकों से महिलाओं द्वारा मिल रही शिकायतों के मुताबिक सुबह के समय शौचालय में कार्यरत कर्मचारी ठेकदार के इशारे पर पानी देने से इंकार करते है. जिसके चलते महिलाओं को घर से पानी की बाल्टी लेकर जाना पड़ता है जो एक तरह से अपमानित करने वाला और हीन भावना का निर्माण करता है. जबकि ठेकदार को दिए गए कॉन्ट्रैक्ट के अनुसार शौचालय में पानी सप्लाई औ? उसकी स्वच्छता की जिम्मेदारी पूरी तरह ठेकेदार की है, फिर भी ठेकेदार नियमों का पालन ना करते हुए हजारों नागरिकों को मूलभूत सुविधा से वंचित रख रहे है.रवि व्यास की मांग है कि ठेकेदार के इस अमानवीय और लापरवाही पूर्ण रवैये पर मनपा आयुक्त त्वरित कार्रवाई करें और सभी मनपा सार्वजनिक शौचालय में पानी सप्लाई सुनिश्चित करें ताकि लोगों को इस परेशानी से राहत मिले. गौरतलब है कि हाल में ही एक मनपा सब-कांट्रैक्टर ने नये शौचालय के निर्माण कार्य के बिल का भुगतान नहीं किये जाने की वजह से स्वतः ही उसे तोड़ डाला था जिससे प्रशासन की काफी किरकिरी हुई थी. रवि व्यास ने स्पष्ट किया है कि आबादी के हिसाब से पूरे देश में स्वच्छता में प्रथम क्रमांक हासिल करने वाली महानगरपालिका की साख पर इस तरह के कृत्य से बट्टा लग रहा है और इसलिए मनपा आयुक्त इस तरह की गंभीर शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जाए और आम जनता को राहत मिल सके।

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजा बोईसर, शिवभक्तों ने कामतेश्वर मंदिर में किया जलाभिषेक

पालघर(उत्तरशक्ति)। सावन माह के तीसरे सोमवार को बोईसर शहर भक्ति और शिव आराधना में डूबा नजर आया। रिमझिम वर्षा के बीच सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव के जयकारों के साथ पारंपरिक कांवड़ यात्रा निकालते हुए श्री कामतेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक कर भगवान शिव से मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की।

शिव कांवड़ यात्रा संघ, श्री कामतेश्वर महादेव मंदिर, भाजी मार्केट बोईसर द्वारा आयोजित इस तीसरे वार्षिक कांवड़ यात्रा में शहर के व्यापारी, समाजसेवी एवं युवा वर्ग सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त शामिल हुए। यात्रा की शुरूआत बोईसर पूर्व स्थित पवित्र सूर्या नदी से हुई, जहां भक्तों ने डुबकी लगाने के बाद प्रतीकात्मक माँ गंगा की षोडशोपचार पूजन-अर्चन व महाआरती में भाग लिया। इस अवसर पर पं. राजकुमार मिश्रा द्वारा वैदिक विधि से पूजा संपन्न कराई गई। कांवड़ यात्रा का विधिवत शुभारंभ आयोजन प्रमुख मुकलेश गिरी व उनके सहयोगियों के नेतृत्व में गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में किया गया। उपस्थित अतिथियों में संत भारतानंद सरस्वती जी महाराज, ब्रह्माकुमारी संस्था की हेमा दीदी एवं हेरल दीदी, एस.एस. सिंह, भाजपा नेता अशोक वड़े, अंकुर राऊत, महेंद्र भोणे, आशिष संखे, शिवसेना के प्रभाकर राऊल, विहिप-बजरंग दल के चंदन सिंह एवं एस.पी. सिंह, केसीएन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदन मिश्रा त्यागी, गिरजेश सिंह, शिव सिंह, पटवा जयकुमार, चंद्रबली यादव, अशोक यादव सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था में बोईसर थाने के पुलिसकर्मी भी मुस्तैद रहे।

सावन माह में धार्मिक भावनाओं को साकार करते हुए शहर की विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं ने सड़क किनारे कांवड़ियों के स्वागत के लिए फलाहार, जलपान और विश्राम की उत्तम व्यवस्था की।

रास्ते में श्रद्धालुओं पर फूलों की वर्षा कर स्वागत किया गया। यह सफल आयोजन सामाजिक कार्यकर्ता मुकलेश गिरी, प्रशांत अप्पा पाठक, सुबेश तिवारी, बृजेंद्र गिरी, अजय पाण्डेय, सुनील चौरसिया, शुभम गिरी, विनोद सोनी, गया सोनी, पवन गिरी, आनंद सोनी, अमित सिंह, अरविंद पाण्डेय, आनंद गौतम, सोखलाल बरनवाल, प्रेम सोनी, सोनू जायसवाल, सुनील प्रजापति एवं अन्य व्यापारियों के सहयोग से संपन्न हुआ। कांवड़ यात्रा के समापन पर सभी श्रद्धालुओं ने कामतेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर विधिवत जलाभिषेक किया और सावन की शिवरात्रि की अगली तैयारी का संकल्प लिया। आयोजन में आस्था, परंपरा और श्रद्धा का संगम देखने को मिला।

सरदार शहर नागरिक संघ मुंबई ने हरियाली तीज को बनाया यादगार

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। सरदार शहर नागरिक संघ मुंबई द्वारा कांदिवली के तेरापंथ भवन में सावन माह की तीज पर सावण रा सिन्हारा कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया जहाँ महिलाओं ने अन्य प्रदेशों की वेशभूषा में नृत्य प्रस्तुत किया ।बतादें कि कार्यक्रम में मुंबई महानगर के साथ ठाणा , नवी मुंबई, भिवंडी, मीरा भायंदर आदि उपनगरों से 250 से भी ज्यादा परिवारों के सैकडों महिलाओं पुरुषों एवं बच्चों सहित बड़े बुजुर्गो ने उपस्थित रह कर कार्यक्रम को सफल बनाया । इस सावन रा सिन्हारा प्रोग्राम में मुख्य आयोजन कर्ता पन्नालाल श्यामसुखा, कर्णेश श्यामसुखा,मधु श्यामसुखा,पलक शयामसुखा एवं अक्षित श्यामसुखा का विशेष योगदान रहा है । कार्यक्रम के समारोह अध्यक्ष चांद रतन दुगड़ ने किया । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संघ के अध्यक्ष चांद रतन दुगड़, उपाध्यक्ष पुनम बरडिया, चन्द्र प्रकाश सुराणा, धनपत सेठिया, संदीप सेठिया, संदीप मिन्नी, राजकरण डागा एवं महिला समिति से श्रीमती चांद दुगड़, श्रीमती प्रेम बरडिया, श्रीमती ज्योती दुगड़, मनिषा दुगड़, महिमा बोथरा एवं श्रीमती मधु श्यामसुखा ने अपना-अपना योगदान देकर इसे सफल बनाया इस सावन रा सिन्हारा प्रोग्राम में भारतीय संस्कृति के अलग-अलग मनमोहक नृत्य कलाओं को सुन्दरता से पेश किया । बारह राज्यों की अलग अलग वेशभूषाओं में सरदारशहर की महिलाओं ने प्रस्तुति दी, कोई महाराष्ट्रीयन, गुजराती, राजस्थानी, पंजाबी, कर्नाटकी, तमिलनाडु, हरयाणवी, बंगाली, जम्मू-कश्मीरी सहित उत्तर भारतीय संस्कृति की यादगार झलकियां देखने को मिला । इस समारोह में उत्तर प्रदेश के मशहूर कवि दिनेश बावरा ने अपनी कविताओं का अद्भुत ढंग से सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया । इसी कड़ी में मशहूर आर जे कवियत्री विधी जैन ने हाल में उपस्थित सभी को यादगार प्रस्तुति देकर मनोरंजन किया । इस अवसर पर सरदारशहर नागरिक संघ के पदाधिकारियों ने पन्नालाल श्यामसुखा का पचहत्तर वां जन्म दिवस सभी की उपस्थिति में केक काट कर मनाया ।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

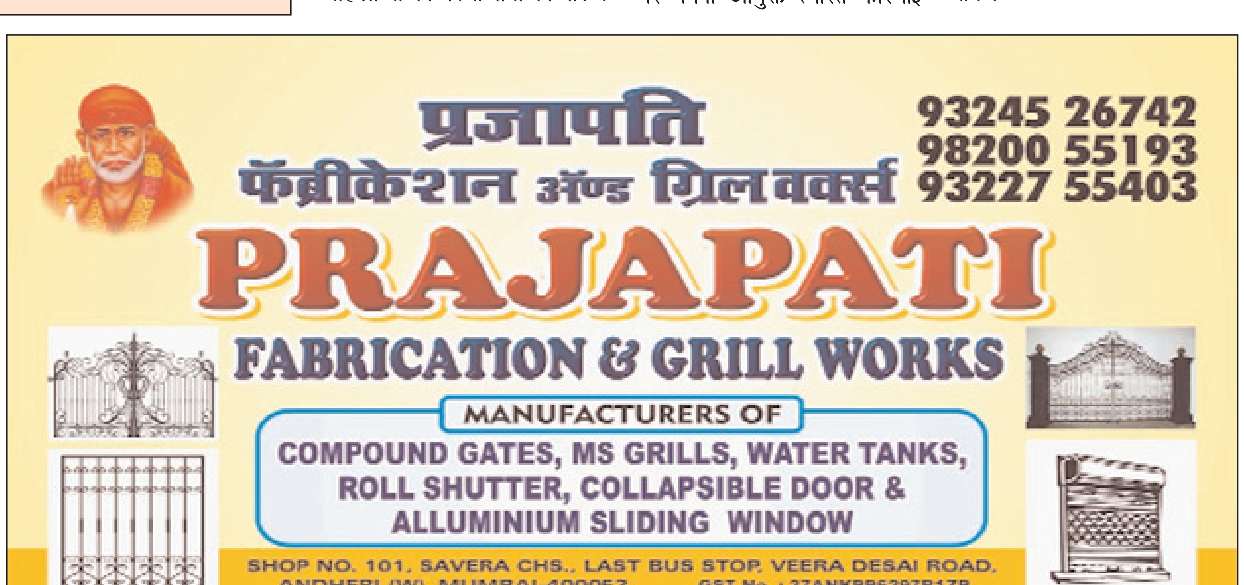

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

सुजानगंज के ज्ञानस्थली इंटर कॉलेज की हाईस्कूल व इंटर साइंस वर्ग की मान्यता रद्द

भूमि के अनियमित उपयोग व नियम उल्लंघन पर राज्यपाल ने दी स्वीकृति

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के सुजानगंज क्षेत्र स्थित ज्ञानस्थली इंटर कॉलेज, चैनपुर, नगौली की हाईस्कूल (2018) तथा इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग (2022) की मान्यता को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज द्वारा रद्द कर दिया गया है। यह निर्णय राज्यपाल की स्वीकृति के उपरांत लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, उक्त संस्था को हाईस्कूल की मान्यता वर्ष 2018 से एवं इंटर साइंस वर्ग की मान्यता वर्ष 2022 से प्रदान की गई थी। मगर संयुक्त शिक्षा निदेशक, वाराणसी मण्डल, वाराणसी की जांच रिपोर्ट में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

विद्यालय परिसर/भूमि का अनियमित व आपत्तिजनक उपयोग, इंटर कॉलेज भवन में प्राथमिक कक्षाओं का संचालन, शैक्षणिक मानकों की उपेक्षा और भूमि से संबंधित नियमों का उल्लंघन प्रमुख बिंदु रहे। इन तथ्यों के आधार पर माध्यमिक शिक्षा परिषद की मान्यता समिति की 4 सितंबर 2024 को आयोजित बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया गया कि विद्यालय की मान्यता प्रत्याहित की जाए।

राज्यपाल से स्वीकृति के बाद आदेश जारी: सम्बंधित जांच रिपोर्टों के आधार पर शिक्षा विभाग की बैठक 18 नवम्बर 2024 को विशेष सचिव की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। शासन स्तर पर विचार-विमर्श के उपरांत 3 दिसंबर 2024 को विस्तृत जांच आख्या तलब की गई, जो मार्च 2025 में शासन को प्राप्त हुई। इस सम्यक विचारोपरांत, 28 जुलाई 2025 को राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त होने के बाद विद्यालय की हाईस्कूल एवं इंटर विज्ञान वर्ग की मान्यता रद्द करने का आदेश जारी किया गया।

प्रशासन को भेजी गई प्रतिलिपियां: यह आदेश विशेष सचिव कृष्ण कुमार गुप्त द्वारा डिजिटल हस्ताक्षरित कर जारी किया गया। इसकी प्रतिलिपि जिलाधिकारी जौनपुर, शिक्षा निदेशक (मा०) लखनऊ, माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज, वाराणसी क्षेत्रीय कार्यालय, संयुक्त शिक्षा निदेशक वाराणसी मंडल, जिला विद्यालय निरीक्षक जौनपुर एवं विद्यालय प्रबंधक को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की गई है।

शादी का झांसा देकर किया शारीरिक शोषण

लड़की ने बनाया शादी का दबाव तो उसके निजीपन का वीडियो कर दिया वायरल, पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बदलापुर कोतवाली थाना क्षेत्र के एक गांव की एक युवती के साथ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण और फिर अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता के भाई की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार पांडेय ने बताया कि पीड़िता के भाई द्वारा दी गई तहरीर में सरोखनपुर गांव निवासी विजय कुमार पाल पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार, युवक ने युवती से शादी का वादा कर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। लेकिन जब युवती ने विवाह की बात कही तो आरोपी युवक ने इंकार कर दिया और विरोध करने पर उसका अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। पुलिस ने उक्त व्यक्तिव के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच मे जुट गई है।

आजमगढ़ में अधेड़ सहित दो लोगों ने फांसी लगाकर दी जान

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जिले के अतरौलिया थाना क्षेत्र के बांसगांव में पारिवारिक कलह और मानसिक तनाव से जूझ रहे एक युवक ने मंगलवार की रात फंदे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान राहुल अग्रहरि (22) पुत्र विजय अग्रहरि के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, राहुल प्रतिदिन की तरह मंगलवार रात को भोजन करने के बाद बगल के ही अवनीश मिश्रा के घर सोने गया था। सुबह करीब 7 बजे जब उसके पिता विजय अग्रहरि ने कई बार फोन किया लेकिन जवाब नहीं मिला, तो वे चिंतित हो उठे। करीब 8 बजे वह चारदीवारी फांदकर घर में घुसे और खिड़की से झांककर देखा तो राहुल पंखे से चादर के सहारे लटका हुआ था। सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई। मृतक राहुल तीन भाई-एक बहन में सबसे बड़ा था और पान की गुमटी चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था।

ग्रामीणों के अनुसार, वह कुछ दिनों से पारिवारिक कलह और मानसिक तनाव से पीड़ित था। परिवार में किसी को भी इस दुखद कदम की कल्पना नहीं थी। मां प्रमिला का रो-रोकर बुरा हाल है।

दूसरी तरफ जिले के बिंद्राबाजार थाना गंभीरपुर क्षेत्र के सिंघड़ा गांव के सिवान में बुधवार की सुबह शीशम के पेड़ से एक अधेड़ का शव लटकता हुआ मिला। शव की पहचान धरनीपुर विषया गांव निवासी 55 वर्षीय राजेंद्र विश्वकर्मा पुत्र सत्यनारायण विश्वकर्मा के रूप में हुई। जानकारी के अनुसार, राजेंद्र विश्वकर्मा पेशे से वेल्डर थे और बीते 28 जुलाई की सुबह वे ठेकमा बाजार में वेल्डिंग का काम करने के लिए घर से निकले थे। देर शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने सोचा कि वे किसी काम से एक-दो दिन के लिए बाहर गए होंगे, जैसा कि वह पहले भी करते आए थे। लेकिन 30 जुलाई की सुबह किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर बताया कि सिंघड़ा गांव में वीरेंद्र यादव के खेत में एक व्यक्ति का शव शीशम के पेड़ पर लटकता हुआ पाया गया है। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा और शिनाख्त के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मिर्जापुर में अनियंत्रित ट्रैक्टर खेत में पलटा, चालक सहित दो की मौत

मिर्जापुर(उत्तरशक्ति)। अहरौरा थाना क्षेत्र के कंचनपुर धुरिया ग्राम सभा में एक दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। बुधवार सुबह 8:00 बजे एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खेत में पलट गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर चालक और उसके साथी पहाड़ से काम करके वापस लौट रहे थे। कंचनपुर ग्राम सभा के पास ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और खेत में पलट गया। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान राम लखन (50 वर्ष), पुत्र पसरात, निवासी भलोई, थाना नेवारपुर दुद्धी और रामकिसुन (42 वर्ष), पुत्र हीरामन, निवासी भलोई, थाना नेवारपुर दुद्धी के रूप में हुई है।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने पलटे हुए ट्रैक्टर से दोनों को बाहर निकाला। एम्बुलेंस द्वारा दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने दोनों की मौत की पुष्टि की। पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है और मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है।

जौनपुर में चबूतरे पर चढ़कर जाने से मना किया तो पूरे परिवार को बुरी तरह पीटा

आधा दर्जन से ज्यादा महिलाओं का जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

◆ **पुलिस ने दोनों पक्ष की तहरीर पर दर्ज किया अभियोग**

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के नेवढ़िया थाना क्षेत्र के रसूलहा गांव मे अरमान अली की पत्नी एवं उसकी

बेटियां अपने चबूतरे पर बैठी हुई थी तो पड़ोस का ही एक युवक रवि चबूतरे पर से गुजर रहा था अरमान अली की पुत्री ने कहा कि हम लोग चबूतरे पर बैठे हैं नीचे जगह है आप सड़क से जाइए। इस बात का रवि को बुरा लग गया उसने आवाज देकर अपने पिता और अन्य परिवारजनों को बुला लिया।वहीं से शुरू हुई गाली गलौज और हुई मारपीट, अरमान अली का पूरा परिवार गंभीर रूप से घायल है जिन लोगों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। मेडिकल मुआयना मे गंभीर चोटे आई है। अरमान अली के पुत्र चांद ने आगे बताया की वह घर पर मौजूद नहीं था और आर ओ ए आर ओ की परीक्षा देने के लिए अंबेडकर नगर गया था।अपने बचाव में विपक्षी ने झूठी तहरीर देकर प्राथमिकी दर्ज कराई और उसका नाम भी प्राथमिकी में दर्ज करा दिया जबकि वह घटना वाले दिन परीक्षा दे रहा था। वही आधा दर्जन लड़कियों का इलाज चल रहा है जिनमें दो की हालत गंभीर है। थाना प्रभारी राजा राम द्विवेदी ने दोनों पक्ष की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना शुरू करवा दी है जबकि चांद का कहना है कि उनकी बहनों को अकेला घर पर देख कर मामूली मामले में मारा पीटा गया है।जिनकी हालत गंभीर है।उसने जिला अस्पताल के सीटी स्कैन पर भी सवाल उठाया बताया कि यहां नई मशीन के बावजूद भी उनको सीटी स्कैन के लिए हौज ट्रामा सेंटर भेजा जा रहा है।वही इस बात पर पूछे जाने पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि मशीन सही है अत्यधिक भीड़ होने ओर कुछ मरीजों को वहां भेज दिया जाता है।

नागपंचमी पर विशाल दंगल प्रतियोगिता का आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। खुटहन स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय बालिका इंटर कॉलेज में मंगलवार को नागपंचमी के अवसर पर विशाल दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन वरिष्ठ भाजपा नेता श्रीकृष्ण पांडेय 'बड़कऊ' ने फीता काटकर किया।

इस पारंपरिक दंगल में क्षेत्र के अनेक युवा पहलवानों ने जोर आजमाइश कर दर्शकों को रोमांचित किया। डिहिया के चंदन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रुस्तमपुर के अमित को पराजित किया। शहाबुद्दीनपुर के छोटू ने भिवरहां के सचिन को चित किया। रुस्तमपुर के अर्पित ने हैदरपुर के मयंक को आसमान दिखाया। ओइना के चंदन व शहाबुद्दीनपुर के आलोक के बीच तथा नेवादा के सार्थक दुबे व ओइना के विपिन यादव के बीच हुए कुश्ती रोमांच से भरपूर रही। कई मौका देने के बाद भी परिणाम बराबरी का रहा।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि श्री कृष्ण पाण्डेय ने सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। निर्णायक मंडल में ओम प्रकाश मिश्रा, उमानाथ यादव, अशोक मिश्र, पंडित यादव, संदीप गुप्ता व पवन पांडेय रहें। इस अवसर पर मिठाईलाल यादव, तीर्थराज मिश्रा टोपी, छोटेलाल मिश्र, रिंकू मिश्र, विनय पांडेय, महेंद्र यादव, आरो मिश्रा, रोशन मिश्रा, शेष दुबे व मुन्नू उपाध्याय रहें।

उत्तर प्रदेश सांख्यिकी सेवा संवर्ग जनपद जौनपुर का चुनाव हुआ संपन्न

◆ **अध्यक्ष सहित चुने गए सभी पदाधिकारी**

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी सभागार कक्ष में उत्तर प्रदेश सांख्यिकी सेवा संवर्ग जनपद जौनपुर का द्विवार्षिक चुनाव सम्पन्न हुआ। चुनाव में सर्वसम्मति से बृजेश कुमार यादव को अध्यक्ष पद के लिए चुना गया इस मौके पर श्री यादव ने बताया कि हम सब लोगों का मकसद है कि हम संगठित होकर सरकार के द्वारा जो भी कार्य हम लोगों को सौंपा गया है उसको सही ढंग से करके संबंधित पोर्टल पर डालें और संगठन के सभी पदाधिकारी सहित जितने भी हैं सदस्य है और संबंधित कर्मचारी और अधिकारी है उनकी कोई भी समस्या आती है तो उसको संगठन के माध्यम से उच्च अधिकारियों सहित मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश तक पहुंचाया जाएगा। आज संपन्न हुए चुनाव में बृजेश कुमार यादव अध्यक्ष, विप्लव यादव उपाध्यक्ष, राजेश कुमार गुप्ता- महामन्त्री, अभिषेक कुमार यादव- संगठन मन्त्री, अभिषेक कुमार मौर्या- कोषाध्यक्ष, आर.के. सिंह-संरक्षक, अमन्द कुमार दूबे सम्प्रेतक चुने गए हैं।

बिना हेलमेट और ट्रिपल सवारी का काटा चालान

◆ **सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए अभियान**

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली पुलिस ने नाग पंचमी के अवसर पर सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया। बड़ागांव स्थित पुलिस चौकी के सामने लखनऊ-बलिया राजमार्ग पर पुलिस ने सघन चेकिंग अभियान संचालित किया।

चेकिंग अभियान के दौरान बिना हेलमेट और ट्रिपल सवारी करने वालों का चालान काटा गया। पुलिस प्रशासन ने सड़क सुरक्षा को लेकर लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने इस अभियान को गंभीरता से लिया है। नाग पंचमी पर्व के दौरान चौराहों पर अधिक भीड़ जमा होती है, जिसे देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। बड़ागांव मेला मैदान में नाग पंचमी दंगल आयोजित किया जाता है, जहां पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था की है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में यातायात नियमों का पालन करने वालों में जागरूकता बढ़ी है।

ट्रैक्टर के धक्के से मासूम घायल, जिला अस्पताल रेफर

गॉव वालों ने ट्रैक्टर समेत चालक को पकड़कर बैठाया

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मंगलवार की दोपहर तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक मासूम बुरी तरह घायल हो गयी। जानकारी

के अनुसार दीदारगंज थाना क्षेत्र ग्राम गुवाई निवासी तहसीलदार यादव की 10 वर्षीय पुत्री शुभी यादव अपने घर के बाहर खेल रही थी। तभी विपरीत दिशा से आ रही तेज रफ़्तार ट्रैक्टर से शुभी को धक्का लग गया। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गयी। घटना से गुस्साए लोगों ने ट्रैक्टर चालक और ट्रैक्टर को मौके पर धर लिया और वही बैठा लिया।तस्तपश्चत मासूम को उपचार हेतू सामुदायिक स्वास्थ केंद्र लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गम्भीर देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर उपचार हेतू जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

चोरी की बाइक और अवैध तमंचा के साथ दो गिरफ्तार

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाई

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो शातिर अभियुक्तों को चोरी की बाइक और अवैध तमंचा के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में शुभम निषाद उर्फ निरहुआ और इन्द्रजीत यादव उर्फ इंदल शामिल हैं।

पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर नाऊपुर बॉर्डर पर चेकिंग के दौरान दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से एक चोरी की मोटरसाइकिल (स्प्लेंडर प्लस, रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी62 वाई 6193), एक तमंचा .315 बोर और एक जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना केराकत में मु0अ0सं0 205/25 के अंतर्गत धारा 317(2)/317(5)/318 बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार राय, उपनिरीक्षक आशुतोष कुमार गुप्ता, हेड कांस्टेबल अखण्ड प्रताप, कांस्टेबल अनिल कुमार सिंह और कांस्टेबल जितेन्द्र कुमार शामिल थे। पुलिस टीम की इस तत्परता और सक्रियता से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में सहायता मिली है।

जमीन विवाद में मनबढों ने किशोरियों सहित चार को मारपीट कर किया घायल, मुकदमा दर्ज

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जमीनी रंजिश को लेकर भाई भाई ही आमने सामने हो हो गए। जिसमे एक पक्ष भारी पड़ते हुए चार लोगों को मारपीट कर घायल कर दिया।मंगलवार को दोपहर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पट्टी चकेसर निवासी 45 वर्षीय इंदा देवी पत्नी मालजी चौहान ने कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर देते हुए कहा की मेरे सगे जेठ लालजी चौहान और उनके बेटे और बहुओं ने मिल कर मुझे मेरे पति माल जी और पुत्री संजना एवं वअशिका चौहान को मारा पीटा और लजजा भंग करने की कोशिश की।साथ ही मेरी बेटी की साइकिल भी तोड़ दी।वहीं पीड़िता के पति माल जी चौहान ने कहा मारपीट की घटना लगभग पांच दिन पूर्व की है।तब से पुलिस थाने के चक्कर लगा रहे हैं।कोई सुनवाई नही।थक हार कर पुलिस कमीशनर के यहां न्याय की गुहार लगाई।तब जाकर मंगलवार को स्थास्नीय पुलिस मेडिकल मुआयना के लिए भेज कर आगे की कार्यवाई की बात कही है।

बकरी खेत में चली गई तो बालक की कर दी जमकर पिटाई, काट ली उंगली

केराकत,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। केराकत कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत बंबावन गांव से एक बेहद हैरान करने वाली घटना सामने आई है। खेत में बकरी चले जाने की मामूली बात पर एक व्यक्ति ने बच्चे की पहले बेरहमी से पिटाई कर दी, और फिर गुस्से में आकर धारदार हथियार से उसकी एक उंगली काट दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, उक्त गाव निवासी कंचन राम ने केराकत कोतवाली में तहरीर देते हुए बताया कि उनका नाती उत्तम गौतम रोज की तरह कल शाम को भी बकरी चराने खेत की ओर गया था। उसी दौरान बकरी गलती से विपक्षी अखिलेश के धान के खेत में चली गई। इससे नाराज होकर अखिलेश ने उत्तम को पकड़कर उसकी जमकर पिटाई कर दी। परिजनों का आरोप है कि जब उन्होंने उत्तम को बचाने की कोशिश की, तो अखिलेश ने राजकुमार, रोहित और निखिलेश के साथ मिलकर घर में घुसकर मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान धारदार हथियार से उत्तम की एक उंगली काट दी। घटना के बाद पुलिस को सूचना देते हुए घायल बालक को अस्पताल ले जाकर बच्चे को स्वजनों ने प्रारंभिक उपचार कराया। इधर, पुलिस ने भी मामले को गंभीरता से लिया है। पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों अखिलेश, राजकुमार, रोहित और निखिलेश के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। लोग जरा जरा सी बात में असहिष्णु हो जा रहे है लोगो को चाहिए कि संयम बरते।

पुलिस की पाठशाला कानून का सम्मान, कानून से जीवन आसान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस की पाठशाला कानून का सम्मान, कानून से जीवन आसानह्व का आयोजन तारा कान्वेन्ट गर्ल्स इन्टर कालेज जौनपुर में किया गया।पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा छात्राओं को दिए सुरक्षा के टिप्स, सोशल मीडिया पर सतर्कता बरतने व साइबर क्राइम से बचाव के बताये गये उपाय,बच्चों को दिये सफलता के मंत्र। आज दिनांक-30.07.2025 को तारा कान्वेन्ट गर्ल्स इन्टर कालेज जौनपुर में आयोजित पुलिस की पाठशाला में डॉ0 कौस्तुभ, पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा छात्राओं को सम्बोधित किया गया। सम्बोधन में द्वारा छात्राओं को साइबर क्राइम के प्रति जागरुक किया गया तथा उससे बचाव के उपाय बताये गये एवं सोशल मीडिया का प्रयोग करते समय सावधानी बरतने तथा अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल लाक रखने का सुझाव दिया गया। साथ ही उन्हें यातायात के प्रति भी जागरुक किया गया। इस मौके पर छात्राओं द्वारा अपर पुलिस अधीक्षक महोदय से कुछ सवाल भी पूछे गये जिसका जवाब महोदय द्वारा दिया गया तथा छात्राओं को सम्मान्नित किया गया। महोदय द्वारा बताया गया कि इस प्रकार के कार्यक्रम से जहाँ एक ओर बच्चों में अपनी एवं अपने सहपाठियों की सुरक्षा की भावना का विकास होगा,वहीं दूसरी ओर वे निडर होकर अपनी बात पुलिस से बता सकेंगे। जिस भी क्षेत्र में सफलता पाना है उसके हिसाब से तैयारी करने व सतत प्रयास से सफलता प्राप्त की जा सकती है। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा नारी सुरक्षा, नारी स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान व जारी हेल्पलाइन नम्बरों की जानकारी दी गयी तथा साइबर अपराध से बचाव के भी उपाय बताये गये। इस दौरान देवेश सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर भी उपस्थित रहे।

मुलुंड कांग्रेस द्वारा छाता वितरण

मुंबई। मुलुंड कांग्रेस द्वारा सेवक संस्था के सहयोग से संजय गाँधी नगर, बाबू जगजीवन राम नगर, डंपिंग रोड, मुलुंड प. के रहिवासियो हेतु छाता वितरण का कार्यक्रम मुक्तेश्वर महादेव मंदिर हॉल, मुलुंड प. पर अरविंद यादव एवं राकेश राघवन द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में चरण सिंह सप्रा (कार्याध्यक्ष मुंबई कांग्रेस), डॉ. बाबूलाल सिंह (वरिष्ठ कांग्रेस नेता),किशोर मुंडेकल (सचिव), भरत सोनी (प्रवक्ता), उत्तम गीते (कार्याध्यक्ष ई. मु. जिला), नीता जोशी (महिला अध्यक्ष), कांग्रेस नेता संतोष सोनावणे, हरीश गुप्ता,हीरालाल भणगे, कमल चन्दनशिवे, संतोष गांवकर,अतुल जोशी उपस्थित रहे ' इस अवसर पर 200लोगों को अतिथियों द्वारा छाता वितरण किया गया ।

विधायक राजन नाईक ने वसई-विरार के नवनियुक्त आयुक्त एम.एम. सूर्यवंशी से की मुलाकात

नालासोपारा। वसई विरार नगर निगम के नवनियुक्त आयुक्त एम.एम. सूर्यवंशी से आज विधायक राजन नाईक ने शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान विधायक नाईक ने शहर के नागरिकों की दैनिक समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की और उनके शीघ्र समाधान पर जोर दिया। विधायक नाईक ने नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं जैसे जलापूर्ति, सड़कें, सफाई व्यवस्था, और स्वास्थ्य सेवाओं की ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता जताई। साथ ही उन्होंने नगर निगम की विकास परियोजनाओं के माध्यम से शहर को एक सुव्यवस्थित और नागरिकों के अनुकूल बनाने की दिशा में कार्य करने का सुझाव भी दिया।आयुक्त सूर्यवंशी ने विधायक द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि नगर निगम नागरिकों की समस्याओं के समाधान और शहर के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

इंदौर से कप्तान यादव के नेतृत्व में निकाली गई कावड़ यात्रा

इंदौर (उत्तरशक्ति)। मध्यप्रदेश जनपद इंदौर के चांदमारी कम्पाउन्ड से कांवड़ यात्रा जीएनटी मार्केट से गंगवाल बस स्टैंड होते हुए 27 जूलाई 2025 दिन रविवार को कांवड़ यात्रा निकाली गई और अगले दिन सोमवार को उज्जैन महाकाल मंदिर में जलाभिषेक किया गया। सावन मास बेला में हर हर महादेव और बोल बम के जयकारों के साथ शिव कांवड़ यात्रा महाकाल उज्जैन 60 किलोमीटर चलकर बड़े धूमधाम से जलाभिषेक किया गया। जिसका नेतृत्व कप्तान यादव, तेज सिंह चौहान , चैन सिंह यादव व रतिराम यादव ने किया। श्रद्धा भक्ति और सामाजिक एकता का प्रतीक यह आयोजन इस वर्ष भी और भव्य हो गया था। हर जाति धर्म को लोगों ने चढ़ बढ़ कर हिस्सा लिया। कप्तान यादव ने बताया कि इस आयोजन में सभी लोगों ने जाति वाद से दूर हो कर लोग भाग लेते हैं वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा बड़े विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया, और 60 किलोमीटर पद यात्रा करते हुए बोल बम का नारा लगाते हुए लोग उत्साह पूर्वक एक कतार में चलते है। श्रावण मास और कांवड़ यात्रा भारतीय संस्कृति की वह चेतन है जिसमें केवल भक्ति ही नहीं जीवन के गुण तत्व समाविष्ट है। यह केवल तीर्थ ही नहीं बल्कि कर्म, तप और श्रद्धा का महापर्व है।

खुशखबरी: आशा और ममता का तीन गुना हुआ मानदेय

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सीएम नीतीश कुमार द्वारा आशा और ममता कार्यकताओं का मानदेय बढ़ाने से उनमें काफी उत्साह देखा जा रहा है । आशा कार्यकर्ता बुनी देवी (चमार) का काना है , कि स्वास्थ्य सेवाओं में काम करने वाली इन जमीनी कार्यकताओं का मनोबल बढ़ा है। ममता वर्कर बबीता देवी ने कहा है कि एक अहम और राहत भरा फैसला सरकार द्वारा लिया गया है। यह ऐलान स्वागत योग्य है। अन्य आशा व ममता वर्करों का कहना है कि स्वास्थ्य व्यवस्था में आशा और ममता कार्यकताओं का स्वास्थ्य व्यवस्था में अमूल्य योगदानह्व रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर करने में आशा और ममता कार्यकताओं की भूमिका अहम रही है।

मानदेय में बढ़ोतरी का फैसला किया है। पीएचसी के स्वास्थ्य प्रबंधक एम अलम ने कहा सीएम के इस ऐलान से हमलोग भी नीतीश कुमार को साधुवाद देते हैं। अब हर महीने 1,000 रुपये की जगह 3,000 रुपये नई व्यवस्था के तहत आशा कार्यकताओं को अब हर महीने रुपये प्रोत्साहन राशि मिल सकेगी। वहीं ममता कार्यकताओं को प्रति प्रसव मिलने वाली 300 रुपये की राशि को बढ़ाकर 600 रुपये करदेने की समाचार मिल रही है। सीएम का ऐलान स्वागत योग्य है।

वसई के खोचिवड़े क्षेत्र में बच्चों के अपहरण का प्रयास विफल,प्रशासन और नागरिकों की सतर्कता से टली बड़ी घटना

वसई रोड। हाल ही में वसई के खोचिवड़े क्षेत्र में स्कूल से लौट रहे बच्चों का अपहरण करने की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। सतर्क बच्चों और जागरूक नागरिकों की तत्परता से यह प्रयास विफल कर दिया गया। यह घटना न केवल माता-पिता के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए एक चेतावनी है कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर कोई ढिलाई नहीं बरती जा सकती।

आज मैंने उन बच्चों के घर जाकर उनसे मुलाकात की, उनसे पूरी घटना की जानकारी ली और उनके साहस के लिए उन्हें गुलाब का फूल भेंट कर सम्मानित किया। उनका मनोबल बढ़ाने की मेरी यह छोटी-सी कोशिश थी।

इस अवसर पर सहायक पुलिस निरीक्षक श्री भुवनेश्वर घंडात ने वसई की विधायक श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित से मुलाकात की और इस क्षेत्र में स्कूली छात्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक निर्देश प्राप्त किए।

पुलिस प्रशासन को दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक स्कूल की छुट्टी के समय क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने का आदेश दिया गया है।

हम सभी अभिभावकों और नागरिकों से अपील करते हैं कि वे सतर्क रहें, बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना दें। छात्रों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।इस अवसर पर बच्चों के माता-पिता एंजेल संदीप मनाचे, साइना संदीप मनाचे, गॉडविन संजय मनाचे, ग्लानिसा प्रकाश बावकर, समरता कोली, तनिष वैती, कामिनी संदीप मनाचे, संदीप दामोदर मनाचे, स्वीडल संजय मनाचे झ्र भी उपस्थित रहे। इसके साथ ही वसई नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती गीतांजलि दारीवाला, भाजपा महासचिव संतोष कक्कड़, चेतन अनुजहार सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

यदि आप इसे किसी समाचार पत्र, पब्लिक पोस्ट या बयान के रूप में जारी करना चाहते हैं, तो मैं इसमें और भी संपादन कर सकता हूँ जैसे कि शीर्षक, हैशटैग, या संपर्क जानकारी जोड़ना। बताइए कैसे उपयोग करना है।

वसई-विरार नगर निगम आयुक्त अनिल कुमार पवार का विदाई समारोह संपन्न

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई-विरार नगर निगम के आयुक्त अनिल कुमार पवार का कार्यकाल 17 जुलाई 2025 को संपन्न हो गया। उनके आगामी कार्यभार की जिम्मेदारी अब ठाणे स्थित स्लम पुनर्विकास प्राधिकरण में होगी। इस अवसर पर नगर निगम मुख्यालय में एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आयुक्त पवार को वसई-विरार की जनता के प्रति उनके उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने उनके कार्यकाल के दौरान निगम में हुए विकास कार्यों और प्रशासनिक पारदर्शिता की सराहना की, साथ ही उनके नए दायित्वों के लिए शुभकामनाएँ दीं। समारोह में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित, आदिवासी विकास समीक्षा समिति के अध्यक्ष (मंत्री दर्जा प्राप्त) माननीय विवेक भाऊ पंडित, पूर्व विधायक क्षितिज ठाकुर, पूर्व महापौर राजीव पाटिल, पूर्व महापौर रूपेश जाधव, भाजपा प्रदेश सचिव अपर्णा पाटिल सहित बड़ी संख्या में नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने पवार के नेतृत्व की सराहना की और उन्हें उनके आगामी कार्यकाल में सफलता की शुभकामनाएँ दीं।

नवोदय विद्यालयों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को न्याय मिले: सांसद डॉ. हेमंत सावरा

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। देश भर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की योजना के तहत संचालित जवाहर नवोदय विद्यालयों के छात्रों ने परिसर, संभाग, राज्य और स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) में विभिन्न स्तरों पर उल्लेखनीय कार्य किया है। हालाँकि, इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राज्य और केंद्र सरकारों के खेल कोटे की नौकरियों में आवश्यक मान्यता न मिलने के कारण अन्याय का सामना करना पड़ रहा है।

इस विषय पर सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने आज लोकसभा में नियम 377 के तहत इस गंभीर मुद्दे की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि नवोदय विद्यालय समिति द्वारा जारी खेल प्रमाणपत्रों को कई राज्यों में मान्यता नहीं मिलती, जिसके कारण प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेने वाले छात्रों को नौकरी के अवसर गँवाने पड़ते हैं।

सावरा की मुख्य माँगें में नवोदय विद्यालय के खिलाड़ियों द्वारा प्राप्त राज्य/राष्ट्रीय स्तर के प्रमाणपत्रों को सभी राज्य और केंद्र सरकारों द्वारा मान्यता दी जाए।

केंद्र और राज्य सरकारों के खेल कोटे में नवोदय विद्यालय के खिलाड़ियों को समान अवसर दिए जाएँ। इस संबंध में राष्ट्रीय नीति या दिशानिर्देश तैयार किए जाएँ। सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने यह भी स्पष्ट किया कि गुजरात और राजस्थान जैसे कुछ राज्यों में यह मान्यता पहले से ही लागू है, इसलिए अन्य राज्यों को भी यह कदम उठाना चाहिए, डॉ. हेमंत सावरा ने विचार व्यक्त किया कि यह मुद्दा केवल नवोदय विद्यालयों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को भी न्याय प्रदान करता है और खेलो इंडिया अभियान को भी मजबूत करता है।

पीएनजी ज्वेलर्स की ओर से मंगळसूत्र महोत्सव के 21 व संस्करण की घोषणा

मुंबई। महाराष्ट्र का प्रतिष्ठित आभूषण ब्रांड पीएनजी ज्वेलर्स ने अपने बहुप्रतीक्षित मंगळसूत्र महोत्सव के २१वें संस्करण की घोषणा की है। परंपरा, सुंदरता और शिल्प कौशल का प्रतीक यह आयोजन इस वर्ष पहली बार १८ कैरेट मंगळसूत्र की शुरूआत के साथ नवाचार की एक नई लहर लेकर आया है। शाश्वत परंपराओं से जुड़े रहते हुए आधुनिक भारतीय महिलाओं की पसंद को ध्यान में रखते हुए यह महोत्सव प्रस्तुत किया गया है। पारंपरिक, आधुनिक, हल्के वजन वाले, विरासत, पोल्की, डायमंड और गोकाक जैसी सात विविध श्रेणियों में २००० से अधिक डिजाइनों के साथ, इस वर्ष का संस्करण महाराष्ट्र और गोवा में पीएनजी ज्वेलर्स की सभी शाखाओं में आभूषण प्रेमियों के लिए उपलब्ध है। इस भव्य उत्सव के एक भाग के रूप में, ग्राहक सोने के मंगळसूत्र के मेकिंग चार्ज पर ५०% तक की छूट और हीरे के मंगळसूत्र पर मेकिंग चार्ज में १००% तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। इस अवसर पर पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष एवं व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. सौरभ गाडगीळ ने कहा, ₹हमें मंगळसूत्र महोत्सव के २१वें वर्ष का जश्न मनाते हुए अत्यंत गर्व हो रहा है। इस वर्ष, हम पहली बार १८ कैरेट सोने से बने मंगळसूत्र पेश करने के लिए उत्साहित हैं, जिससे हमारे आधुनिक और स्टाइल के प्रति सजग ग्राहकों के लिए विकल्पों का विस्तार हो रहा है। यह महोत्सव परंपरा और आधुनिकता के बीच हमारे गहरे विश्वास को दशार्ता है। २००० से अधिक डिजाइनों के साथ, यह महोत्सव हर महिला की प्रतिबद्धता, शैली और विरासत की अनूठी अभिव्यक्ति को सम्मानित करता है।₹ २५ जुलाई २०२५ से शुरू होने वाला यह मंगळसूत्र महोत्सव एक ऐतिहासिक पहल है, जो आभूषण प्रेमियों को सुंदर और आधुनिक डिजाइनों में नये कलेवर में प्रस्तुत किए गए मंगळसूत्र खरीदने का अनूठा अवसर प्रदान करता है। यह पीएनजी ज्वेलर्स की गुणवत्ता, विश्वास और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

सरकारी विद्यालयों में कक्षा 1 और 2 के छात्रों की परीक्षा होगी मौखिक ,10 सितंबर से 15 सितंबर तक दो पाली में होगी परीक्षा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियो के लिए अर्धवार्षिक परीक्षा की तिथि विभाग द्वारा जारी कर दी गई है। इस वर्ष यह परीक्षा 10-15 सितंबर तक होगी। परीक्षा दो पालियों में होगी। कक्षा 1 और 2 के विद्यार्थियों की परीक्षा पूरी तरह से मौखिक में कराई जाएगी। यह मूल्यांकन संबंधित वर्ग के शिक्षकों द्वारा किया जाएगा। जिसमें विषयवार प्रश्न ई शिक्षा कोष के माध्यम से उपलब्ध कराए जाएंगे। जबकि कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा दो पालियों में ली जाएगी। सभी प्रमुख विषयों को शामिल किया गया है। इन कक्षाओं के कुछ विषय जैसे शारीरिक शिक्षा, कला, कंप्यूटर विज्ञान और व्यवसायिक शिक्षा का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जाएगा। इन विषयों की ग्रेडिंग स्कूल द्वारा की जाएगी। कक्षा 3 के लिए शारीरिक शिक्षा एवं कला और कक्षा 6 के लिए व्यवसायिक शिक्षा, कंप्यूटर, कला व शारीरिक शिक्षा का मूल्यांकन स्कूल स्तर पर किया जाएगा। अन्य सभी विषयों की परीक्षा राज्य द्वारा निर्धारित प्रश्न पत्रों के आधार पर होगी। परीक्षा का आयोजन छह दिनों तक चलेगा । परीक्षा का शेड्यूल छात्रों के सुविधा को देखते हुए किया गया है।10 सितंबर पहली पाली में पर्यावरण अध्ययन की परीक्षा, और दूसरी पाली में सामाजिक विज्ञान और विज्ञान की परीक्षा (कक्षा 6 से 8) होगी। 11 सितंबर की पहली पाली में हिंदी (या दूसरी भाषा, अहिंदी-भाषियों के लिए) और दूसरी पाली में गणित (कक्षा 3 से 8) की परीक्षा होगी। 12 सितंबर की पहली पाली में हिंदी या बांग्ला (कक्षा 3 से 8) और दूसरी पाली में संस्कृत (केवल कक्षा 6 से 8) की परीक्षा होगी। 13 सितंबर को पहली पाली में अंग्रेज्जी (कक्षा 1 और 2) तथा दूसरी पाली में अंग्रेजी (कक्षा 3 से 8) की परीक्षा कराई जाएगी। 14 सितंबर को पहली पाली में उर्दू (कक्षा 3 से 8) की परीक्षा निर्धारित है।

बोल बम के नारों के साथ निकली भव्य सायन कोळीवाड़ा से काँवड़ यात्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुम्बई स्थित सायन कोळीवाड़ा न्यु म्हाडा कॉलोनी मां विंध्यवासिनी मंदिर में स्थापित विंध्येश्वर माहादेव से वालकेश्वर बाणगंगा तक की भव्य काँवड यात्रा में हजारों श्रध्दालुओं ने काँवड़ यात्रा पूर्ण कर देवाधिदेव महादेव को जलाभिषेक कर अपने जीवन को धन्य बनाया।

जिसमें महिला पुरुष व बच्चे शामिल थे । 28 जुलाई 2025 दिन सोमवार के दिन समाजसेवी भरत भाई शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित भव्य काँवड़ यात्रा में सुबह 8 बजे से वाणगंगा से जल भर कर कांवड़ पद यात्रा द्वारा वालकेश्वर होते हुए वर्ली नाका, महालक्ष्मी , परेल, दादर से माटुंगा सेंटर रेलवे फूल गली पोस्ट आफिस के सामने समाजसेवी व पत्रकार संजय मिश्रा बब्लू ने पंडाल लगा कर कांवड़ियों का जोर दार स्वागत किया ।

जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रवक्ता व सरस्वती क्लासेज के संचालक प्रोफेसर डॉ दयानंद तिवारी, भाजपा मुंबई प्रवक्ता समाजसेवी उदयप्रताप सिंह ने कांवड़ियों पर फूल बरसाकर जोर दार स्वागत किया , तत्पश्चात समाजसेवी संजय मिश्रा बब्लू द्वारा कावरियों को विदा किया गया। जिसमें दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, संदीप चिवटे पूर्व शाखा प्रमुख, आशीष भाई, महेंद्र तिवारी, पिंटू, अनिल पटेल, संजय , सांई, प्रेम त्रिपाठी का योगदान रहा। बारिश में भीगते हुए कावडियों द्वारा हर ,हर महादेव,बम बम भोले के नारों से पूरा माटुंगा गूंजायमान रहा। काँवड़यात्रा के विषय में जानकारी देते हुऐ भाजपा प्रवक्ता डॉ दयानंद तिवारी ने बताया कि देवो के देव महादेव जी के बारे मे लोगों की आस्था हमेशा 'एक लोटा जल सभी समस्याओं का हल करने वाली हैं। इसलिए श्रावण महिने में शिवलिंग पर जलाभिषेक करने व काँवड़यात्रा निकालने में हमारे सहयोगी सहित स्थानीय नागरिकों व मंदिर के सभी शिवभक्तों का अतुलनीय योगदान रहा जिसकी वजह से एक भव्य काँवड़यात्रा का सुचारू ढंग से नेतृत्व हुआ तथा यात्रा सफल रही,यात्रा मे भाग लेने वाले सभी श्रध्दालुओं का सभी लोगों की ओर से हार्दिक आभार प्रकट किया गया। कांवड़ यात्रा माटुंगा से प्रस्थान कर सायन कोळीवाड़ा म्हाडा कॉलोनी स्थित मां विंध्यवासिनी मंदिर में स्थापित विंध्येश्वर माहादेव पर जलाभिषेक किया गया। जिसमें तमाम लोगों का समावेश रहा।

अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार महासभा फोरम ने डीएम को सौंपा

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार महासभा फोरम के नेतृत्व में जिलाधिकारी बांदा को ज्ञापन सौप कर न्याय की गुहार लगाई। बता दे की 30 जुलाई 2025 को अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार महासभा फोरम के तत्वाधान में जिलाधिकारी महोदय, बांदा को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन का नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल प्रजापति ने किया। ज्ञापन थाना कालिंजर, जनपद बांदा के अंतर्गत पंजीकृत मु.अ.सं. 135/25 में वांछित अभियुक्त अमित (निवासी ग्राम मोहरछा, थाना कालिंजर) के विरुद्ध त्वरित न्यायालय से जल्द फैसला लेकर दोषी को फांसी की सजा देने की मांग पर केंद्रित था। यह मामला एक 6 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुए गंभीर अपराध से संबंधित है।

ज्ञापन में पीड़िता के समुचित इलाज की व्यवस्था, पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान करने, ?50 लाख की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग भी शामिल है।

इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। फतेहपुर से विशेष रूप से शामिल हुए प्रमुख अधिवक्ताओं और समाजसेवियों में संगीता प्रजापति एड., सुरेंद्र मिश्रा एड., प्रदेश सचिव प्रजापति आलोक दक्ष एड., कुलदीप प्रजापति एड., उमलेश भारतीय एड., अजय कुमार प्रजापति एड., सूर्यप्रकाश चक्रवर्ती एड., राजेंद्र कबीर एड., लोकदत्त प्रजापति एड., बुद्धराज प्रजापति एड., ओमप्रकाश प्रजापति एड., आर. के. माहौर एड., मनोज कुमार वर्मा एड., अशोक कुमार वर्मा, जिलाध्यक्ष हमीरपुर ई. राजा भैया प्रजापति आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त क्षेत्र के वरिष्ठ जन, युवा कार्यकर्ता, पूर्व सैनिकों, महिलाओं और समाजसेवियों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। प्रमुख नामों में गौरीशंकर प्रजापति, अशोक कुमार प्रजापति (प्रधान), ओमप्रकाश प्रजापति लाला (प्रधान), रामकेश प्रजापति, प्रदीप कुमार प्रजापति, रमेश चंद्र प्रजापति, अनिल कुमार वर्मा, नरेश कुमार, युवा भाजपा नेता देवेश कुमार मोनू, सुरेंद्र कुमार प्रजापति, कुंजबिहारी प्रजापति, कैलाश प्रजापति, बलदेव प्रजापति, हीरालाल प्रजापति, नरेंद्र कुमार, मुन्नालाल प्रजापति (पूर्व सैनिक), बृजलाल प्रजापति (पूर्व सैनिक), रमेश कुमार प्रजापति (पूर्व सैनिक), ब्रजराज प्रजापति (पूर्व सैनिक), हृदेश वर्मा, रज्जू भैया, सुजीत प्रजापति और रमेश कुमार ऋषि (मंडल प्रभारी, मानवाधिकार फोरम) शामिल रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य न्याय दिलाने के साथ-साथ समाज में सुरक्षा, मानवाधिकारों की रक्षा और पीड़ित परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को मजबूत करना था।

मचान विधि से करें कद्दूवर्गीय सब्जियों की खेती, पाएं बेहतर उत्पादन और गुणवत्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि वर्तमान मानसूनी मौसम में जनपद जौनपुर के किसानों के लिए कद्दूवर्गीय सब्जियों (करेला, नेनुआ, लौकी, खीरा आदि) की खेती में मचान विधि का प्रयोग अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। जिसके दृष्टिगत उद्यान विभाग द्वारा प्रथम बार मचान विधि से सब्जी की खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मिशन योजनानतर्गत इसे सम्मिलित किया गया है। जनपद को 40 हे0 लक्ष्य (30 हे0 सामान्य व 10 हे0 अनु0 जाति के कृषकों के लिए) आवंटित है। जिला उद्यान अधिकारी, जौनपुर, डॉ. सीमा सिंह राणा ने किसानों से अपील की है कि वे इस विधि को अपनाकर न केवल अपनी उपज में वृद्धि कर सकते है। बल्कि उससे गुणवत्ता भी सुनिश्चित होगी। डॉ. राणा ने बताया कि बारिश के मौसम में, खासकर कद्दूवर्गीय सब्जियों में, पानी की अधिकता के कारण फसल खराब होने और फलों के सड़ने की समस्या आम हो जाती है। जब पौधे जमीन पर फैले होते हैं, तो फलों का सीधा संपर्क मिट्टी और अधिक नमी से होता है। जिससे वे गलने लगते हैं और भारी नुकसान होता है। इस समस्या से निजात पाने के लिए मचान विधि एक प्रभावी समाधान है। मचान तैयार करने के लिए खेत में बांस के टुकड़ों को गाड़कर उन पर लकड़ियों या सूखी टहनियों को बांधा जाता है जिस पर सब्जियों के पौधे चढ़ा दिए जाते हैं। मचान पर चढ़ाने से फल मिट्टी के संपर्क में नहीं आते, जिससे उनके सड़ने का खतरा समाप्त हो जाता है। इसके अतिरिक्त इस विधि से फलों को पर्याप्त हवा और धूप मिलती है जिससे उनकी गुणवत्ता और आकार बेहतर होता है। डॉ. सीमा सिंह राणा ने जोर दिया कि थोड़ी सी सावधानी और मचान विधि का उपयोग करके किसान वर्षा ऋतु में भी कद्दूवर्गीय सब्जियों से बेहतर और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं। जिससे उनकी आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। सभी किसान भाइयों से अनुरोध है कि वे इस वैज्ञानिक विधि को अपनाएं और अपनी फसल को सुरक्षित व लाभकारी बनाएं। इस पर लागत का 50 प्रतिशत तक का अनुदान देय है। योजना का लाभ प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर दिया जायेगा। कृषको से अपील है।

जौनपुर में बहन से छेड़खानी का विरोध करना एक भाई को पड़ा महंगा, भाई की सरेआम धारदार हत्यारे से मारकर हत्या

केराकत के पसेवा गांव में दिनदहाड़े वारदात, इलाके में तनाव, आला अधिकारी पहुंचे मौके पर

-रियाजुल हक

केराकत,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बुधवार केराकत कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पसेवा गांव में बुधवार दोपहर एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को दहशत में डाल दिया। बहन से छेड़छाड़ का विरोध करना एक 21 वर्षीय युवक शमशेर चौहान को जानलेवा साबित हुआ। आरोप है कि मनबढ़ युवकों ने युवक को घेर कर मारा पीटा गया, फिर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर उसकी हत्या कर दी है। मृतक शमशेर चौहान मुंबई में कार्यरत था और कुछ दिन पहले ही धान की खेती के लिए गांव लौटा था। उसकी बहन काजल चौहान, जो इंटर की छात्रा है, पिछले कई दिनों से एक मनचले युवक की हरकतों से परेशान थी। परिजनों के अनुसार, काजल के साथ छेड़छाड़ की शिकायत शमशेर को मिली थी, जिसके बाद उसने आरोपी युवक को कड़ी चेतावनी दी थी। बुधवार को मृतक का छोटा भाई सूरज चौहान गांव के सरकारी ट्यूबवेल पर पाइप डालने का काम कर रहा था। इसी दौरान चार युवक वहां पहुंचे और सूरज की पिटाई शुरू कर दी। सूचना मिलने पर शमशेर दौड़ते हुए मौके पर पहुंचा और जैसे ही वह गांव के गोदाम के पास पहुंचा, हमलावरों ने घेर कर उस पर धार दार हत्यार और चाकुओं से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल शमशेर को स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों ने अस्पताल पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ, एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव, तथा सीओ केराकत अजित रजक मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर पीड़ित परिजनों से विस्तृत जानकारी ली। बहर हाल गांव में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। पुलिस ने नामजद आरोपियों की तलाश में दबिश देना शुरू कर दिया है। जल्द ही आरोपी सलाखों के पीछे होंगे।

युवा भारत की वित्तीय मानसिकता को डिकोड करना: जेन जेड बनाम मिलेनियल्स

मुंबई। भारत एक बड़े सामाजिक-आर्थिक बदलाव के दौर से गुजर रहा है, और इस परिवर्तन के केंद्र में इसके युवा नागरिक हैं—जो डिजिटल रूप से जुड़े हुए हैं, वित्तीय रूप से जागरूक हैं, और अपने भविष्य को लेकर लगातार आश्वस्त हैं। बेहतर वित्तीय साक्षरता और व्यापक डिजिटल पहुँच के दम पर, वे कमाने, खर्च करने और बचत करने के पारंपरिक तरीकों को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। आशीष तिवारी, चीफ मार्केटिंग आफीसर, होम क्रेडिट इंडिया इस बदलाव के केंद्र में मिलेनियल्स (जन्म 1981-1996) और जेन जेड (जन्म 1997-2012) हैं। ये दो शक्तिशाली पीढ़ियां हैं, जो अपने आशावाद से एकजुट होकर भी, स्पष्ट रूप से अलग-अलग वित्तीय रास्ते अपना रही हैं। हमारी नवीनतम स्टडी द ग्रेट इंडियन वॉलेट 2025, इस बात पर करीब से नजर डालती है कि कैसे उनके दृष्टिकोण और व्यवहार भारत के वित्तीय परिदृश्य को नया आकार दे रहे हैं। आशीष तिवारी, चीफ मार्केटिंग आफीसर, होम क्रेडिट इंडिया मिलेनियल्स सतर्क रहने वाले और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने वाले होते हैं। उनमें से कई भारत के डिजिटल संक्रमण काल में बड़े हुए और पीपीएफ व और जीवन बीमा जैसे लंबी अवधि के वित्तीय साधनों की ओर झुकाव रखते हैं। वे सुनियोजित योजना और दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राथमिकता देते हैं इसके विपरीत जेन जेड पैसे के प्रति अधिक गतिशील और तात्कालिक दृष्टिकोण रखता है। वे कैलकुलेटेड जोखिम लेने, जल्दी निवेश करने और तेजी से रिटर्न पाने के लिए अधिक इच्छुक हैं। लगभग 84% जेन जेड उत्तरदाताओं का मानना है कि उनकी वित्तीय स्थिति में सुधार होगा, जबकि मिलेनियल्स में यह आंकड़ा 76% है। वे पांच साल के भीतर प्रमुख लक्ष्यों को प्राप्त करने के बारे में भी थोड़े अधिक आश्वस्त हैं। अपने मतभेदों के बावजूद, दोनों पीढ़ियों को एक साझा चुनौती का सामना करना पड़ता है—तंग वित्तीय सीमाओं के भीतर आकांक्षाओं का प्रबंधन करना। 33,000 की औसत आय और 20,000 प्रति माह के खर्च के साथ, बचत करना एक संतुलन कार्य बना हुआ है। चिंताजनक बात यह है कि 2025 में केवल 50% ने बचत कर पाने की सूचना दी, जो 2024 में 60% थी।

अपनी मांगो को लेकर उपनिदेशक को दिया ज्ञापन

झुंझुनू। राजस्थान आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी संघ के तत्वाधान में सोमवार को आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों ने आयुर्वेद उपनिदेशक डॉक्टर जितेंद्र स्वामी को ज्ञापन सौंपा, जिसमें चिकित्सकों के अभाव अभियोग का निस्तारण करने के संदर्भ में भी मांग की गई। दिए गए ज्ञापन में विद्युत बिलों का समय पर भुगतान न होने के कारण आ रही वित्तीय परेशानी एवं बिजली कनेक्शन काटने का डर सभी को सता रहा है ।इस संदर्भ में भी व्यवस्था को सुधारने एवं बिलों का भुगतान करने के लिए कहा गया साथ ही जिले में चिकित्साधिकारियों के बकाया चल रहे एरियर बिलों के भुगतान हुतु शीघ्र निस्तारण करने की मांग इस मांगपत्र में की गई। चिकित्सकों ने बताया कि यह डाटा एंट्री ऑपरेटर या तकनीकी स्टाफ के माध्यम से होना चाहिए,बिना पर्याप्त तकनीकी सहयोग के यदि एंट्री नहीं होती है तो संबंधित चिकित्सा अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करना सरासर अनुचित होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कई जिलों में चिकित्सकों को नोटिस भेज कर दबाव बनाया जा रहा है जो न्याय संगत नहीं है। विभाग में पहले ही स्टाफ की कमी चल रही है और अतिरिक्त कार्य भार से एकल कर्मचारी जूझ रहा है 'कई स्थानों पर तो अकेला चिकित्सा अधिकारी ही नियुक्त है जो चिकित्सा सेवा देने के साथ-साथ ऑनलाइन ऑफलाइन अन्य प्रशासनिक कार्यों को भी देखता है ऐसे में ड्रग इन्वेंटरी मैनेजमेंट सिस्टम में प्रतिदिन दवाइयों की प्रविष्टि का कार्य चिकित्सक के लिए अत्यधिक बोझिल एवं अव्यवहारिक है। ज्ञापन देने के दौरान जिला अध्यक्ष मदन लाल सैनी उदयपुरवाटी ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमावत, डॉ विक्रम सिंह,डॉ.रणवीर सिंह, डॉ. अंकिता सुंडा, डॉ. अनामिका,डॉ दीपिका,डॉ रोहिताश, डॉ. प्रवीण यादव सहित कई चिकित्सक उपस्थित थे।

गोल्ड की बढ़ती कीमतों के बीच अधिकांश भारतीयों ने होम लॉकर को अपनाया: गोदरेज सर्वेक्षण में खुलासा

मुंबई। गोदरेज एंटरप्राइजेस ग्रुप के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिजनेस द्वारा कराए गए 'हैपीनेस सर्वे' के निष्कर्ष सामने आए हैं, जिनसे पता चला कि 83% प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत सामानों को सुरक्षित करने को अधिक महत्व दिया है। जिम्मेदारी की यह बढ़ती भावना इस बात का संकेत है कि सुरक्षा की धारणा अब सिर्फ सतर्कता तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह जागरूक और सक्रिय तैयारी में बदल रही है। चूंकि सोने में निवेश अब भी लोगों के लिए एक पसंदीदा विकल्प बना हुआ है, यह बदलाव उनकी भावनात्मक और वित्तीय सुरक्षा, दोनों की गहरी समझ को दर्शाता है। दिलचस्प बात यह है कि 51% से अधिक उत्तरदाताओं ने विश्वसनीय होम लॉकर्स को प्राथमिकता दी और उनके इस निर्णय में सोना एक प्रमुख कारक था। जैसे-जैसे परिवार अपनी सबसे महत्वपूर्ण चीजों को सुरक्षित करना चाहते हैं, होम लॉकर्स की मांग मजबूत हुई है। यह मांग विश्वास, विश्वसनीयता और ऐसे डिजाइन पर आधारित है जो आधुनिक रहने की जगहों में सहजता से घुलमिल जाता है। इस सर्वे पर टिप्पणी करते हुए गोदरेज एंटरप्राइजेस ग्रुप के सिक्योरिटी सॉल्यूशंस बिजनेस के बिजनेस हेड श्री पुष्कर गोखले ने कहा, 'जैसे-जैसे सोने की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, यह उपभोक्ताओं की पसंद और प्राथमिकता को प्रभावित कर रही है और अपनी संपत्ति की सुरक्षा को लेकर एक नई जिम्मेदारी की भावना का जन्म दे रही है। हमारे सर्वेक्षण के नतीजे इस बदलती सोच की पुष्टि करते हैं कि अब लोग केवल संपत्ति अर्जित करने में नहीं, बल्कि उसकी सुरक्षा और संरक्षण में भी उतनी ही गंभीरता से निवेश कर रहे हैं। ग्राहकों का यह उभरता हुआ रुझान हमारे जैसे ब्रांड्स के लिए एक विशेष अवसर है, जहां हम उनकी आकांक्षाओं को भरोसे से जोड़ सकें और ऐसे समाधान पेश कर सकें, जो उनकी बदलती जरूरतों के साथ विकसित होते रहें। इसी सोच के तहत, हमारा लक्ष्य होम लॉकर श्रेणी में 85% हिस्सेदारी हासिल करना है, वह भी उद्देश्यपूर्ण नवाचार और सहानुभूति-आधारित डिजाइन के जरिए। भरोसे के संरक्षक के रूप में हमारा संकल्प है कि हर भारतीय परिवार वह सब सुरक्षित रख सके जो वास्तव में महत्वपूर्ण है, मानसिक शांति, गरिमा और विरासत।'

सपा नेत्री उषा जायसवाल ने किया पीडीए तीज महोत्सव का भव्य आयोजन

सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य रहे, जुटीं महिलाओं को दी गयी श्रृंगार सामग्री

जौनपुर। समाजवादी महिला सभा की प्रदेश सचिव उषा जायसवाल की अध्यक्षता में नगर के जोगियापुर में स्थित शिव गोपाल घाट पर पीडीए तीज महोत्सव का आयोजन हुआ जहां मुख्य अतिथि के रूप में सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी सभी धर्म, वर्ग, समुदाय आदि का सम्मान करती है। उसी कड़ी में सपा महिला शाखा ने तीज महोत्सव आयोजित करके भारतीय परम्परा को जीवंत किया। इस दौरान उपस्थित महिलाओं ने जहां वहां लगे झूले का आनन्द लिया, वहीं कजरी गीत सहित सावन मास सम्बन्धित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। साथ ही अन्य वक्ताओं ने अपना विचार व्यक्त करते हुये तीज महोत्सव पर प्रकाश डाला। वहीं कार्यक्रम आयोजक उषा जायसवाल ने मुख्य अतिथि श्री मौर्य को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम भेंट करके सम्मानित किया। कार्यक्रम आयोजिका उषा जायसवाल ने उपस्थित समस्त सुहागिनों को तीज सामग्री दिया। साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में समाजवादी महिला सभा की प्रदेश सचिव डा. सुमन यादव प्रबन्धक, पिंकी गुप्ता, सुशील यादव, शिल्पा जायसवाल, पूनम यादव, नम्रता सिंह, रेखा सिंह, मीनाक्षी मिश्रा, उर्मिला यादव, पिंकी यादव, प्रीति जायसवाल, निशा निषाद, सोनी यादव सहित तमाम महिलाएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम का संचालन शिवांगी यादव ने किया। अन्त में उषा जायसवाल ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

पीएनबी की जून तिमाही के दौरान कुल आय बढ़कर हुई 37,232 करोड़ रुपये

मुंबई । सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक ने बुधवार को जून 2025 में समाप्त तिमाही के लिए 48 फीसदी की गिरावट के साथ 1,675 करोड़ रुपये का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट दर्ज किया है। यह गिरावट मुख्य रूप से टैक्स खर्चों में तेज बढ़ोतरी के कारण आई है। पिछले साल की समान तिमाही में बैंक ने 3,252 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था। नतीजों के बाद शेयर में तेज गिरावट देखने को मिली और 1 फीसदी से ज्यादा टूट गया।

PNB ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि जून तिमाही के दौरान कुल आय बढ़कर 37,232 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 32,166 करोड़ रुपये थी। ब्याज से आय भी बढ़कर 31,964 करोड़ रुपये हो गई। जबकि पिछले साल यह 28,556 करोड़ थी। ऑपरेटिंग प्रॉफिट जून तिमाही में बढ़कर 7,081 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 6,581 करोड़ रुपये था। पीएनबी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि टैक्स खर्च इस दौरान दोगुना से ज्यादा बढ़कर 5,083 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 2,017 करोड़ रुपये था। PSU इंल्ल' ने बताया कि अप्रैल-जून तिमाही के दौरान बैंक की एसेट क्वॉलिटी में सुधार देखने को मिला। बैंक की सकल गैर-निष्पादित संपत्तियां घटकर कुल एडवांसेस का 3.78 फीसदी हो गईं, जो एक साल पहले 4.98 फीसदी थीं। इसी तरह, नेट एनपीए भी घटकर 0.38 फीसदी रह गईं, जो पिछले साल की समान अवधि में 0.6 फीसदी थीं। प्रोविजंस और कॉन्टिजेंसीज पहली तिमाही में घटकर 323 करोड़ रह गईं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह ?1,312 करोड़ थीं। PNB के स्टॉक की परफॉर्मेंस देखें तो यह अपने 52 हफ्ते के हाई (109.30) से करीब 15 फीसदी डिस्काउंट पर ट्रेड कर रहा है। शेयर इस साल अबतक करीब 6 फीसदी उछला है। दो साल में शेयर 75 फीसदी और 3 साल में 245 फीसदी और 5 साल में 240 फीसदी रिटर्न दिया है।

रतन मेडिकल एजेंसी का रिटायर्ड मेडिकल प्रोफेसर ने किया उद्घाटन

खेतासराय रेलवे क्रासिंग के समीप खुलने से स्थानीय लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

-निशानाथ

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्रवासियों की स्वास्थ्य सेवाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खेतासराय रेलवे क्रासिंग के समीप रतन मेडिकल एजेंसी का उद्घाटन बुधवार को धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर रतन यादव ने फीता काटकर एजेंसी का शुभारंभ किया इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की सहज उपलब्धता आज की मूलभूत आवश्यकता बन चुकी है। रतन मेडिकल एजेंसी जैसे प्रतिष्ठान ग्रामीण व अर्ध-शहरी क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधा की रीढ़ बन सकते हैं। मुझे प्रसन्नता है कि युवाओं में जनसेवा की भावना के साथ उद्यमशीलता भी विकसित हो रही है। सौरभ यादव द्वारा उठाया गया यह कदम न केवल व्यवसायिक पहल है, बल्कि समाजहित में एक प्रशंसनीय प्रयास भी है। मेरी शुभकामनाएं हैं कि यह एजेंसी जनसेवा के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करे। एजेंसी के प्रोप्राइटर सौरभ यादव ने जानकारी देते हुए कहा कि ग्राहकों की संतुष्टि और सुविधा ही हमारी पहली प्राथमिकता होगी। गुणवत्ता पूर्ण दवाइयों के साथ समय पर सेवा प्रदान करना हमारा संकल्प है। उन्होंने बताया कि मेडिकल स्टोर पर सभी जरूरी दवाइयां व उपकरण उचित मूल्य पर उपलब्ध रहेंगे। कार्यक्रम में विशेष रूप से भाजपा नेता हरेंद्र यादव, वरिष्ठ अधिवक्ता चंद्र प्रकाश यादव, रुधौली प्रधान छोटेलाल यादव (सेवानिवृत्त सहायक अध्यापक), प्रदीप यादव (एडवोकेट), और डॉ. अरविंद कुमार यादव की उपस्थित रहे। अंत में चन्द्रप्रकाश (एडवोकेट) ने आगन्तुको का आभार प्रकट किया गया।

वंडरशेफ ने दुनिया का पहला ऑटोमेटिक टी मेकर 'चाय मैजिक' लॉन्च किया

मुंबई। भारत के अग्रणी किचन अप्लायन्स ब्राण्ड वंडरशेफ ने आज दुनिया के पहले ऑटोमेटिक टी मेकर चाय मैजिक का लॉन्च किया, जिसे खासतौर पर भारतीय शैली की चाय के लिए डिजाइन किया गया है। चाय के प्रति भारत के खास लगाव का जश्न मनाते हुए यह लॉन्च कोलकाता में हुआ, जहां वंडरशेफ के सह-संस्थापक शेफ संजीव कपूर और श्री रवि सक्सेना मौजूद रहे। लॉन्च के अवसर पर चाय मैजिक का लाईव डेमो दिया गया, दर्शकों को मसाला चाय से लेकर अदरक चाय और क्लासिक दूध की चाय से लेकर कश्मीरी काहवा तक-कई तरह की चाय बनाकर दिखाई गई। डेमो ने दिखाया किस तरह चाय मैजिक इस्तेमाल में बेहद आसान है और पूरे नियन्त्रण के साथ स्वादिष्ट चाय तैयार करता है। इसमें चाय बनाने की प्रक्रिया बिना निगरानी के अपने आप पूरी हो जाती है, सिर्फ एक बटन दबा कर आप अपनी मनपसंद चाय का लुत्फ उठा सकते हैं। इस अवसर पर शेफ संजीव कपूर ने कहा, चाय मैजिक, घर में चाय बनाने के तरीके को पूरी तरह से बदल देगा। यह परम्परा और टेक्नोलॉजी के संयोजन के साथ रोजाना में चाय बनाने की सभी मुश्किलों को हल कर देगा जैसे दूध जलना, चाय उबल कर बिखर जाना या एक जैसे स्वाद की चाय न बनना। उन्होनें कहा, आप इस चाय में अपनी पसंद के साले जैसे अदरक, इलायची, लौंग, काली मिर्च, केसर भी डाल सकते हैं और चाय मैजिक आपके लिए तैयार करेगा चाय का परफेक्ट प्याला। तो बिना कोई मेहनत किए, सिर्फ एक बटन दबा कर आप हमेशा एक जैसे स्वाद वाली चाय का लुत्फ उठा सकेंगे- यह इनोवेशन चाय के हर कप के साथ, आराम, आनंद और जादू भरा अहसास देगा।

ग्राम प्रधान द्वारा लगवाए गए सरकारी स्मार्ट खड़ंजे को उखाड़ फेंका

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के गद्दोपुर गांव में ग्राम प्रधान द्वारा ग्रामीणों की सुविधा के लिए लगवाए गए खड़ंजे को गांव के ही एक परिवार के लोगो ने उखाड़ फेंका। जिसमे पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया ।थानाध्यक्ष फूलचंद पांडेय ने बताया कि धमार्पुर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम प्रधान गद्दोपुर राधिका देवी द्वारा 20 जून को ग्राम पंचायत बजट से ग्रामीणों की सुविधा के लिए 14 मीटर का स्मार्ट खड़ंजा लगवाया गया था। खड़ंजा लगने के बाद बीते 7 जुलाई को दोपहर में गांव के राम सजीवन मौर्य, शरद मौर्य और श्याम जीत ने उक्त 14 मीटर खड़ंजे को उखाड़ दिया। उसी समय ग्राम प्रधान राधिका देवी के पति राम साहब यादव ने थाने पर सूचना दिया था, जिसमे उक्त लोगों ने थाने पर लिखित देते हुए उक्त उखड़े हुए खड़ंजे को लगवाने की बात स्वीकार की थी। 20 दिन बीत जाने के बाद भी उखड़े खड़ंजे को नहीं लगवाया गया। जिसमें ग्राम प्रधान राधिका देवी के पति राम साहब यादव ने मंगलवार की शाम को सरकारी बजट से बने खड़ंजे को उखाड़ने के आरोप में थाने में नामजद तहरीर दिया। थानाध्यक्ष फूलचंद पांडेय ने बताया कि प्रधान पति राम साहब यादव के तहरीर पर गद्दोपुर ग्राम सभा के राम सजीवन मौर्य, शरद मौर्य और श्याम जीत मौर्य के खिलाफ सरकारी बजट से बने खड़ंजे को उखाड़ने के आरोप में केस दर्ज कर लिया गया।

पुनर्वसू मित्तल आयुर्वेद महाविद्यालय के पूर्वछात्रोंका स्नेहमिलन समारोह संपन्न-वैद्य राकेश शर्मा हुए सन्मानित

-प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई। - मुंबई 27 जुलाई 2025 को मुंबई अंधेरी स्थित हॉटेल तुंगा इंटरनॅशनल में श्री मित्तल आयुर्वेद स्नातक संघ द्वारा स्नेहमिलन एवं प्रीतिभोज का कार्यक्रम आयोजित किया गया ' इस कार्यक्रम में भारतीय चिकित्सा प्रणाली राष्ट्रीय आयोग में कार्यरत रहे अध्यक्ष, आचार एवं पंजीयन बोर्ड राष्ट्रीय आयोग, भारतीय चिकित्सा पद्धति - नई दिल्ली तथा पूर्व डायरेक्टर आयुर्वेद - पंजाब सरकार वैद्य राकेश शर्मा इनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में देशभर से आयुर्वेद क्षेत्र की प्रमुख हस्तियाँ एवं वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित हुए और डॉ. राकेश शर्मा के दशकों के उल्लेखनीय योगदान को हृदय से सराहा और कृतज्ञता प्रकट की। डॉ.शर्मा ने अपने कार्यकाल में आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी चिकित्सा पद्धतियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने तकनीक और परंपरा के संतुलन के साथ नीति निर्माण से लेकर जमीनी स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण तक अत्यंत प्रभावशाली कार्य किए। इस समारोह की गरिमा को अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष वैद्य रामदास आव्हाड, राष्ट्रीय संगठन मंत्री वैद्य अनिल दुबे सहित कई अन्य विशिष्ट अतिथियों ने बढ़ाया।

उपस्थित प्रमुख अतिथियों में शामिल रहेः महाराष्ट्र आयुर्वेद सम्मेलन की जनरल सेक्रेटरी वैद्य श्रीमती ऋजुता दुबे, वैद्य श्री ओमप्रकाश दुबे ,नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर , डॉ. संजय छाजेड़, वैद्य हरी सिंह, डॉ. राजदेव यादव, डॉ. जगदीश राय, वैद्य महेन्द्र चतुवेर्दी, डॉ. कल्पना चौधरी, डॉ. विनोद मेहता और डॉ. घनश्याम शर्मा सभी विशिष्टजनों ने डॉ. राकेश शर्मा को शाल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृतिचिह्न प्रदान कर उनका अभिनंदन किया।कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ. छोटे लाल यादव द्वारा किया गया। इस आयोजन में एस्सेल ग्रुप की हिल वेलनेस क्लिनिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय शर्मा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। डॉ. छोटे लाल यादव ने सभी आमंत्रित अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए कहा की आप सभी ने इस स्नेहमिलन में सहभागी होकर वैद्य राकेश शर्मा का सम्मान किया, इसके लिए हम हृदय से आभारी हैं। यह समारोह न केवल स्नेहमिलन और एक वरिष्ठ प्रशासक को ससम्मान विदाई देने का अवसर था, बल्कि आयुर्वेदिक बिरादरी की एकजुटता और परंपरा के प्रति आदरभाव का भी प्रतीक रहा। पूरे बैच के छात्रों ने कार्यक्रम में बड़े उत्साह से भाग लिया। सभी ने खूब मस्ती की, गाने गाए, पुरानी यादें ताजा कीं और स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया।

किसानों को सशक्त किए बिना भारत सक्षम नहीं बन सकता : चिराग पासवान

पटना। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) ने भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सहयोग से नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में प्रधानमंत्री किसान संपदा योजनाः उत्तर भारत के परिप्रेक्ष्य से विषय पर क्षेत्रीय सेमिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश और बिहार सहित उत्तर भारत के राज्यों में इस योजना की प्रगति और प्रभाव पर चर्चा हुई। सेमिनार की अध्यक्षता केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र अभी अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहा है।

प्रजापति समाज के प्रतिनिधिमंडल ने विधायिका स्नेहा दुबे पंडित से की सौजन्य भेंट

वसई (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज के प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय कार्यसम्राट विधायिका सौ. स्नेहा दुबे पंडित से सौजन्य मुलाकात कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर समाज की परंपरा अनुसार मिट्टी से बने सुंदर बर्तन उन्हें उपहार स्वरूप भेंट किए गए। मुलाकात के दौरान सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने प्रजापति समाज से जुड़ी कई महत्वपूर्ण मांगों और मुद्दों को उठाया, जिन पर विधायिका श्रीमती स्नेहा दुबे पंडित ने गंभीरता से विचार कर उन्हें यथासंभव शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

प्रतिनिधिमंडल में सुरेश प्रजापति, सतीश प्रजापति, रमेश प्रजापति, धर्मराज प्रजापति, राजेन्द्र वर्मा, हरिबंश प्रजापति, बाबा प्रजापति, रामचंद्र प्रजापति, हरीश प्रजापति, दिलीप प्रजापति, सुजीत प्रजापति, छात्र नेता मोहित प्रजापति (जौनपुर) सहित अन्य सदस्य व पदाधिकारीगण शामिल रहे। इस सौहार्दपूर्ण मुलाकात ने समाज और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद को और भी सशक्त किया है।

ईवीएम की जानकारी देने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में भी केंद्रों पर होगा प्रदर्शन :बीडीओ

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज में विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के क्रम में मतदाताओं के बीच इवीएम तथा वीवी पैड के संबंध में जागरुकता का प्रसार करने के लिए महाराजगंज अनुमंडल भवन में स्थापना की गई है। इस केंद्र पर जो व्यक्ति अपना मतदान करता उसका प्रदर्शन वो वी पैड पर होगा । मतदान करने वाला व्यक्ति किसको मत दिया है वह बीवी पैड पर दिखाई देगा। मतदान करने वाला आदमी यह देखकर संतुष्ट होगा कि जिसको हमने मत दिया है उसको ही मत मिला है ।यहां बैलट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवी पैड उपलब्ध कराये गये हैं। साथ ही ईवीएम के जानकार कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। क्या कहते हैं बीडीओः निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में स्थापित इन ईवीएम प्रदर्शन केंद्रों में मतदाताओं को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एवं वीवी पैड की प्रक्रियागत जानकारी दी जाती है तथा मॉक वोट डालकर उन्हें ईवीएम और वीपी पैड की सहायता से मतदान का हैंड्स ऑन कराया जाता है। जिला निर्वाचन कार्यालय के आदेश मिलने पर ग्रामीण क्षेत्रों में भी केंद्र की स्थापना का इसका प्रदर्शन कराया जाएगा।